राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 15 नवम्बर 2025 वर्ष-8,अंक-258 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## पहला कॉलम

### मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ में अगले 2 दिन शीतलहर.......मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ेगी

**नई दिल्ली** उत्तर से आ रही बर्फीली हवाओं के कारण मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ी है। मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ में अगले 2 दिन शीतलहर चलेगी। वहीं राजस्थान, हिमाचल, छत्तीसगढ़, पंजाब के कई जिलों में पारा 10 डिग्री से नीचे पहुंच गया है। इधर, उत्तराखंड के बद्रीनाथ धाम में पारा माइनस 16 सेल्सियस चला गया है, जिससे वहां झरने और झीलें जम गई है। लाहौल स्पीति के ताबो का माइनस 7.4 डिग्री, कुकुमसेरी का माइनस 3.1 डिग्री, केलांग का माइनस 3.3 और कल्पा का माइनस 0.4 तक गिर चुका है। प्रदेश में इस बार सर्दी नवंबर में रिकॉर्ड बना रही है। इंदौर में 25 साल से सबसे ज्यादा ठंड है, तब भोपाल में बीती 7 रातों से पारा 9 डिग्री के नीचे बना हुआ है। उत्तर से आने वाले बर्फीली हवा का असर ग्वालियर, चंबल, उज्जैन, इंदौर, सागर और भोपाल संभाग के जिलों में ज्यादा दिखाई दे रहा है। मौसम विभाग के निदेशक डॉ. एके दास के अनुसार, अगले सात दिनों तक तापमान में कोई खास बदलाव देखने को नहीं मिलेगा। वर्तमान में उत्तर पूर्व से पूर्व दिशा की ओर हवाएं चल रही हैं।

### हरमाड़ा हादसे में 15 की मौत: डंपर ड्राइवर का नशे में और ट्रैफिक पुलिस की अनुपस्थिति

**रिपोर्ट में बताया गया हादसे का प्रमुख कारण**

**जयपुर** जयपुर में हरमाड़ा हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई थी। जयपुर कलेक्टर द्वारा गठित 6 सदस्यीय कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में डंपर ड्राइवर का नशे में होना (लापरवाही) और ट्रैफिक पुलिस की अनुपस्थिति को हादसे का प्रमुख कारण माना है। हालांकि, कमेटी ने मुख्य रूप से दुर्घटना के लिए ड्राइवर को ही जिम्मेदार ठहराया है। इस दर्दनाक हादसे की जाँच के लिए कलेक्टर ने एडीएम साउथ, आरटीओ जयपुर, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (पश्चिम व ट्रैफिक), अधीक्षण अभियंता पीडब्ल्यूडी, एसडीओ रामपुरा डाबरी और परियोजना निदेशक एनएसएआई को शामिल करते हुए कमेटी बनाई थी। दरअसल राजस्थान में बढ़ते सड़क हादसों को लेकर सुप्रीम कोर्ट की रोड सेफ्टी कमेटी ने मामले को गंभीरता से लिया है। रोड सेफ्टी कमेटी के चेयरमैन जस्टिस अभय मनोहर सप्रे ने 19 नवंबर को दिल्ली में एक हाई-लेवल बैठक बुलाई है। इस बैठक में मुख्य सचिव (सीएस) सहित 6 अधिकारियों को दिल्ली तलब किया गया है। इनमें ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के सचिव, एसीएस पीडब्ल्यूडी, प्रमुख शासन सचिव हेल्थ डिपार्टमेंट, महानिदेशक यातायात पुलिस, क्षेत्रिय अधिकारी एनएसएआई और अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट कमिश्नर शामिल हैं। पिछले एक महीने में जयपुर, फलोदी और जैसलमेर-जोधपुर में हुए तीन बड़े हादसों, जिनमें 54 से अधिक लोगों की मौत हुई थी, के बाद आया है। जयपुर हादसे की जांच रिपोर्ट में ड्राइवर की लापरवाही और ट्रैफिक पुलिस की अनुपस्थिति को प्रमुख कारण बताया गया है, और बढ़ते हादसों के कारण सुप्रीम कोर्ट की कमेटी ने मुख्य सचिव सहित 6 वरिष्ठ अधिकारियों को 19 नवंबर को दिल्ली तलब किया है।

### सरकार ने दिए अल फलाह विश्वविद्यालय के रिकॉर्ड ऑडिट के आदेश

**ईडी और अन्य वितीय जांच एजेंसियां धन के लेन-देन की करेंगी जांच**

**नई दिल्ली** केंद्र सरकार ने दिल्ली विस्फोट के बाद चर्चा में आए अल फलाह विश्वविद्यालय के सभी रिकॉर्ड का फॉरेंसिक ऑडिट कराने का आदेश दिया है। इसके अलावा सरकार ने ईडी और अन्य वित्तीय जांच एजेंसियों से हरियाणा स्थित इस संस्थान में धन के लेन-देन की जांच करने को भी कहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद ये फैसले लिए गए। बैठक में लालकिले के पास 10 नवंबर को हुए ब्लास्ट की जांच की प्रगति की डेढ़ घंटे तक समीक्षा की। सूत्रों ने कहा कि अल फलाह विश्वविद्यालय के सभी रिकॉर्ड का फॉरेंसिक ऑडिट करने का आदेश जारी किया है। सरकार ने ईडी और अन्य वित्तीय एजेंसियों को भी अल फलाह विश्वविद्यालय के धन के लेन-देन की जांच करने को कहा है। हरियाणा में फरीदाबाद जिले के धौज स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय एक निजी संस्थान है, जिसके परिसर में एक अस्पताल भी है। अधिकारियों के मुताबिक हरियाणा नंबर वाली जिस कार में विस्फोट हुआ, उसे डॉक्टर उमर चला रहा था। वह राष्ट्रीय राजधानी के पास फरीदाबाद स्थित विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत था। जांच एजेंसियों ने विश्वविद्यालय से जुड़े तीन डॉक्टरों को हिरासत में लिया है। अल फलाह विश्वविद्यालय की वेबसाइट के मुताबिक संस्थान की स्थापना हरियाणा विधानसभा द्वारा हरियाणा निजी विश्वविद्यालय अधिनियम के तहत की गई थी। अल फलाह मेडिकल कॉलेज भी विश्वविद्यालय से संबद्ध है। विश्वविद्यालय ने बुधवार को एक बयान में कहा था कि वह संबंधित जांच अधिकारियों को अपना पूरा सहयोग दे रहा है ताकि वे राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित मामले में तार्किक, निष्पक्ष और निर्णायक निर्णय पर पहुंच सकें।

# बिहार में एनडीए की तूफानी जीत

## बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक विक्ट्री, चुनाव में भाजपा-जदयू से बेहतर चिराग पासवान की पार्टी का स्ट्राइक रेट

**पटना/नई दिल्ली**

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजों में एनडीए ऐतिहासिक लैंडस्लाइड विक्ट्री की ओर बढ़ रही है।

समाचार लिखे जाने तक आए रुझान बता रहे हैं कि एनडीए 243 सीटों में से 202 सीटों पर आगे चल रही है या जीत चुकी है। जबकि महागठबंधन 35 सीटों पर सिमटती नजर आ रही है। जाहिर है कि यह जनादेश केवल विपक्ष की खामियों का नतीजा नहीं है बल्कि यह श्रेष्ठ कैंडिडेट, बेहतर नेतृत्व और शानदार स्ट्रैटजी का परिणाम है।

बिहार में 20 साल की एंटी इनकमबेंसी तोड़ते हुए एनडीए फिर से सरकार बनाने जा रही है। भाजपा ने कुल 101 सीट लडक़र 90 जीतीं। यानी स्ट्राइक रेट 90 प्रतिशत। इसी के साथ बिहार में भी भाजपा बड़े भाई की भूमिका में आ गई। वहीं, जदयू 84 सीटों के साथ नंबर-2 की पोजिशन पर आ गई। एनडी ने राहुल-तेजस्वी के 12 में से 5 गढ़ ढहा दिए हैं। इन 12 सीटों पर राजद और कांग्रेस लगातार 3 विधानसभा चुनावों से जीत रही थीं। एनडीए ने महागठबंधन की जीती हुई 85 सीटें छीन ली हैं। महागठबंधन की 35 सीटों में से राजद 25, कांग्रेस 6 सीटें जीती है या आगे है।

**29 मंत्रियों ने दर्ज की जीत**

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए प्रचंड जीत मिली है। एनडीए को मिली इस जीत में 29 मंत्रियों ने जीत दर्ज की है। इनमें प्रेम कुमार, महेश्वर हजारी और संजय सरावगी और अन्य मंत्री शामिल हैं। नीतीश कुमार की सरकार में कृषि मंत्री रहे भाजपा नेता प्रेम कुमार ने गया शहर पर 1990 से लगातार जीत के अपने रिकॉर्ड को कायम रखा है। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी अखौरी ओंकार नाथ को 26 हजार वोटों से शिकस्त दी। तारापुर से पहली बार चुनाव लड़ रहे बिहार उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी लगातार बढ़त बनाए हुए हैं।

राजद के प्रत्याशी अरुण कुमार पर सम्राट चौधरी ने 45 हजार से ज्यादा वोटों की बढ़त बना रखी है। वहीं, लखीसराय से डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा भी 19 हजार से ज्यादा वोटों की बढ़त बनाए हुए हैं। जदयू नेता महेश्वर हजारी नीतीश सरकार में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मंत्री रहे हैं। हजारी ने कल्याणपुर की अपनी सुरक्षित सीट पर सीपीआई (एमएल) लिबरेशन के प्रतिद्वंदी रंजीत कुमार राम को 38 हजार वोटों के अंतर से हराया है। उन्होंने लगातार चौथी बार इस सीट पर जीत दर्ज की है।

## बिहार के लोगों ने गर्दा उड़ा दिया : पीएम मोदी

**▶▶ बिहार में बंपर जीत के बाद पीएम मोदी पहुंचे बीजेपी ऑफिस और बिहारी स्टाइल में लहराया गमछा**

**▶▶ जश्न में डूबी बीजेपी, अमित शाह और राजनाथ सिंह भी पहुंचे पार्टी कार्यालय**

बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा की बंपर जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली स्थित बीजेपी हेडक्वार्टर पहुंचे हैं। यहां प्रधानमंत्री मोदी ने बिहारी स्टाइल में गमछा लहराकर कार्यकर्ताओं का उत्साह वर्धन किया।

पार्टी हेडक्वार्टर पहुंचने के साथ ही पीएम मोदी ने सभी का अभिवादन स्वीकार करते हुए कहा कि बिहार के लोगों ने विकास को चुना है, अब जंगलराज की वापसी नहीं होगी। इससे पहले पीएम मोदी ने मंच से भारत माता की जय के साथ ही छठी मईया का जयकारा लगाया। इसी के साथ पीएम मोदी ने कहा, यह प्रचंड जीत, अटूट विश्वास, बिहार के लोगों ने बिल्कुल गर्दा उड़ा दिया है। अब कट्टा सरकार आगे कभी वापस नहीं आएगी। उन्होंने इस जीत के लिए एनडीए गठबंधन के कार्यकर्ताओं को बधाई दी और कहा कि यह जीत कार्यकर्ताओं की जीत है।उन्होंने कहा कि इस बार बिहार के लोगों ने बिना किसी डर या भय के इस चुनावी उत्सव में हिस्सा लिया। पहले कभी जिस बिहार में मतपेटियां लूटी जाती थीं, वहीं आज रिकॉर्ड मतदान दर्ज किया गया।

पीएम मोदी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, यह प्रचंड जीत, यह अटूट विश्वास.....हम सभी एनडीए के लोग तो जनता जनार्दन के सेवक हैं। उन्होंने कहा कि हम मेहनत से जनता का दिल खुश करते हैं, और हमने तो जनता जनार्दन का दिल चुराया हुआ हैं, इसलिए आज बिहार ने बतला दिया, फिर एक बार एनडीए सरकार। पीएम मोदी ने कहा, कि बिहार के मतदाताओं ने विकसित और समृद्ध बिहार के लिए मतदान किया है।

### सुशासन और विकास

**सुशासन और विकास एनडीए की विक्ट्री का तीसरा पिलर रहा, जो नीतीश के 20 वर्षों के शासन का प्रमाण है। बिहार, जो 1990 में बीमारू राज्य था, अब सडक़ें (1 लाख किमी), बिजली (95 प्रतिशत कवरेज) और शिक्षा में प्रगति कर रहा है। नीतीश का सुधार, अपराध दर 50 प्रतिशत गिरावट ने मध्यम वर्ग को आकर्षित किया। विकास योजनाएं जैसे स्मार्ट सिटी और एक्सप्रेसवे ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति दी। एनडीए का संकल्प पत्र फेज्ड नौकरियां और इंफ्रास्ट्रक्चर पर केंद्रित था, जो विश्वसनीय लगा। जीविका दीदी ने 1.2 करोड़ महिलाओं को जोड़ा, जिसका असर मतदान में दिखा। बेरोजगारी पर नीतीश ने स्किल डेवलपमेंट से जवाब दिया।**

### जमीनी लाभार्थी योजनाएं

**जमीनी लाभार्थी योजनाओं ने बिहार के ग्रामीण और गरीबों के लिए जितना काम किया है उतना किसी और राज्य में नहीं दिखा। नीतीश की सात निश्चय और भाजपा की केंद्रीय स्कीम्स ने 5 करोड़ लाभार्थियों को बेनिफिट पहुंचाया।**

**पीएम आवास, उज्ज्वला और आयुष्मान ने ग्रामीण वोटरों को बांध के रखा। ये योजनाएं जातिगत रूप से संतुलित रहीं, ईबीसी और दलित वोटरों को सबसे अधिक फायदा पहुंचा।**

**नीतीश की स्ट्रेटजी महिलाओं के कल्याण पर टिकी रही। महिलाओं को पंचायतों और सरकार नौकरियों में आरक्षण ने एनडीए को मजबूत आधार दिया।**

बिहार की जाति आधारित राजनीति में मारवाड़ी चेहरे के तौर पर संजय सरावगी ने लगातार पांचवीं बार दरभंगा की सीट से जीत दर्ज की। राजस्व और भूमि सुधार मंत्री रहे भाजपा नेता सरावगी ने विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रत्याशी उमेश सहनी के खिलाफ 24,500 वोटों के अंतर से जीत हासिल की। पर्यटन मंत्री राजू कुमार सिंह ने 2020 में वीआईपी के टिकट पर जीत हासिल की थी, लेकिन बाद में भाजपा में शामिल हो गए थे।

उन्होंने साहेबगंज सीट पर राजद के प्रत्याशी पृथ्वी नाथ राय को 13 हजार से ज्यादा वोटों से हराया। पूर्व मंत्री राणा रणधीर सिंह ने भी जीत हासिल की है। वहीं, मोकामा सीट पर बाहुबली अनंत सिंह ने भी जीत दर्ज की है।

### केदारनाथ धाम में फैला 2300 टन कचरे.......अब निस्तारित करने में 25 करोड़ खर्च होगा

**रुद्रप्रयाग**

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में मौजूद केदारनाथ धाम में 2025 में रिकॉर्ड 17 लाख 68 हजार लोगों ने बाबा केदार के दर्शन किए। इस आस्था के साथ केदारनाथ धाम में 2300 टन कचरे का पहाड़ भी जमा हो गया है। हर यात्री ने औसतन डेढ़ किलो तक कचरा केदारनाथ धाम में छोड़ा। बीते साल की तुलना में करीब 150 ग्राम प्रति यात्री ज्यादा रहा। अब इस कचरे को निस्तारित करने में 25 करोड़ रुपए से ज्यादा का खर्च होगा है, जो इस उच्च हिमालयी क्षेत्र में मौजूद शिव धाम के पर्यावरण के लिए नई चुनौती है। केदारनाथ ऊंचे हिमालयी क्षेत्र में है। यहां न कचरा जलाने की अनुमति है, न निपटारे प्लांट लग सकता है। केदारनाथ धाम में इस साल करीब 2300 टन कचरा इकट्ठा हुआ। यह गौरीकुंड से लेकर केदारनाथ धाम तक फैला था। जिसमें करीब 100 टन प्लास्टिक कचरा था जबकि 2200 टन बाकी कचरा रहा।

यात्रा के दौरान जमा हुआ पूरा कचरा वापस नीचे सोनप्रयाग लाकर निस्तारित करना पड़ता है। यह काम खच्चर करते हैं। हर खच्चर सिर्फ 10 से 12 किलो तक कचरा जा पाता है।

### राहुल गांधी की 95वीं हार - अमित मालवीय

**नई दिल्ली**

भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर लगातार चुनाव हारने को लेकर तंज कसा। अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, राहुल गांधी !

**एक और चुनाव, एक और हार!** अगर चुनावी निरंतरता के लिए कोई पुरस्कार होता, तो वह सभी पर भारी पड़ते। असफलताएं भी सोच रही होंगी कि वह उन्हें इतनी विश्वसनीयता से कैसे पा लेते हैं। मालवीय ने राहुल गांधी के नेतृत्व में 95 हार का जिक्र किया। उन्होंने बताया, राहुल गांधी की 95 हार, हालांकि कई लोग उन्हें 9 से 5 बजे तक दोषारोपण करने वाला राजनेता कहेंगे, लेकिन राहुल गांधी दो दशकों में 95 चुनावी हार झेल चुके हैं, जो एक सदी से पांच कम है। क्या भारत की संस्थाओं पर यह हमला इस चांदी

के चम्मच वाले उत्तराधिकारी की ध्यान भटकाने की चाल है?

### भाजपा नेता का तंज: चिदंबरम ने आतंकवाद पर शायद पीएचडी हासिल है?

**नई दिल्ली**

दिल्ली में लाल किला क्षेत्र में हुए विस्फोट के बाद इस मुद्दे पर राजनैतिक बहस भी तेज होती जा रही है। एक भाजपा नेता ने तंज कसते हुए यहां तक कह दिया कि देश के पूर्व गृहमंत्री पी चिदंबरम ने शायद आतंकवाद पर पीएचडी हासिल कर ली है। क्योंकि उनके कार्यकाल में आए दिन आतंकी धमाके करते थे। कांग्रेस नेता पी.चिदंबरम की टिप्पणी को लेकर भाजपा नेता गौरव वल्लभ ने तीखा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि चिदंबरम को आतंकवाद पर शायद पीएचडी हासिल है, क्योंकि उनके गृह मंत्री रहते हुए देश में हर दिन कहीं न कहीं बम धमाके होते थे। गौरव वल्लभ ने कहा कि हमारी मौजूदा सरकार और देशवासी आतंकवाद को आतंकवाद ही मानते हैं, उसके प्रकार नहीं ढूंढते। वर्तमान सरकार आतंकवाद का मुंहतोड़ जवाब देती है, गोली का जवाब गोले से देती है।

दिल्ली में हुए विस्फोट को जिन लोगों ने अंजाम दिया है और जिन्होंने इसकी साजिश रची है, दोनों को भारत की न्यायिक व्यवस्था के तहत सख्त सजा जरूर मिलेगी।

भाजपा नेता ने कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि पी चिदंबरम को आतंकवाद के प्रकारों की जानकारी जरूर होगी, क्योंकि उनके समय में आतंकवादी घटनाएं आम बात थीं। यही अंतर है नए भारत और 2004 से 2014 के यूपीए शासनकाल में। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह देशवासियों से वादा है। उन्होंने कहा कि यह सरकार वैसी नहीं है, जिसके कार्यकाल में तीन हजार किलो आरडीएक्स देश में घुस जाए और पता भी न चले। गौरव वल्लभ ने कहा कि वर्तमान सरकार ने सतर्क कार्रवाई कर आरडीएक्स की खेप को जब्त किया और इसी दबाव के चलते आतंकी इस तरह के विस्फोट करने को मजबूर हुए।

### भारत नहीं चीन में अपनी मुद्रा छपवा रहा नेपाल......विवादित नक्शें को लेकर हुआ था झगड़ा

**नई दिल्ली**

नेपाल की करेंसी पर अब चीन की छाप साफ दिख रही है। कभी अपनी अधिकांश मुद्रा भारत में छपवाने वाला नेपाल आज पूरी तरह चीन पर निर्भर हो चुका है। यह बदलाव सिर्फ आर्थिक कारणों से नहीं, बल्कि नेपाल के विवादित फैसलों और भारत-नेपाल संबंधों में आई खटास की देन है। साल 2015 तक नेपाल के नोट नासिक प्रेस में छपते थे। यह व्यवस्था दशकों तक चली थी। लेकिन एक विवाद के बाद स्थिति बदल गई। नेपाल ने अपने संशोधित नक्शे में भारत के तीन क्षेत्रों–लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी–को शामिल दिखा दिया। लेकिन नेपाल ने भारत की आपत्ति के बावजूद नक्शे में कोई बदलाव नहीं किया गया। इसके बाद भारत ने सख्त रुख दिखाकर कहा कि वह नेपाल की करेंसी नहीं छापेगा। नई व्यवस्था की तलाश में नेपाल चीन की ओर झुक गया, जहां टेंडर में चीनी कंपनी की बोली सबसे कम थी। चीन की सरकारी कंपनी चाइना बैंकनोट प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉर्पोरेशन ने नेपाल की पूरी मुद्रा छापने का काम अपने हाथ में ले लिया।

नेपाल के पास अपनी करेंसी छापने की क्षमता बेहद सीमित है। चीन ने कम कीमत पर नोट छापने की पेशकश की। उन्नत सुरक्षा फीचर–होलोग्राम, माइक्रो प्रिंटिंग, सिक्योर इंक–चीन बहुत सस्ते में उपलब्ध कराता है। विवादित नक्शा जारी करने से भारत से दूरी बढ़ी, जिससे नेपाल को नया विकल्प खोजना पड़ा।

चीन तेजी से बड़ी मात्रा में आपूर्ति कर सकता है, जो छोटे देशों के लिए फायदेमंद है। नेपाल के अलावा श्रीलंका, मलेशिया, बांग्लादेश और थाईलैंड भी चीन में अपनी करेंसी छपवाते हैं। इस तरह चीन एशिया का सबसे बड़ा करेंसी प्रिंटिंग हब बन चुका है। चीन ने वह ब्रिटिश प्रिंटिंग यूनिट खरीदी, जो कभी दुनिया के 100 से अधिक देशों की करेंसी छापती थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# बिहार में नीतीश का जादू बरकरार

**प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह की दर्जनों रैलियां बताती हैं कि एनडीए इस चुनाव को लेकर कितना संवेदनशील है। क्योंकि इसका असर पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में भी असर देखने को मिलेगा। नीतीश कुमार का प्रदर्शन पहले से बेहतर हुआ है, खास तौर पर महिलाओं की वजह से, लेकिन मुख्यमंत्री पद को लेकर उनका नाम औपचारिक रूप से घोषित नहीं किया गया। इससे उनका वोटर कुछ असहज रहा।**

(लेखक- बरुण कुमार सिंह)

बिहार में मुकाबला मुख्य रूप से जदयू के नेता और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ एनडीए और राजद के तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाले विपक्षी महागठबंधन के बीच था। इस बार प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी को भी बड़ा झटका लगा है। बिहार विधानसभा चुनाव-2025 के एक्जिट पोल नतीजे के बाद जो आश्चर्यकारी परिणाम आये हैं, उसकी गूंज आने वाले पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव में स्पष्ट रूप से दिखायी देगी। लोकतंत्र के इस मंदिर की चैखट पर विराजमान दृश्य कुछ ऐसा है जिसमें हालात किसी एक पार्टी तक ही सीमित नहीं, बल्कि सभी प्रमुख दलों में टिकटों की दावेदारी में राजद व कांग्रेस और जदयु व भाजपा, लोजपा और इसके साथ ही कोई भी अन्य दल इनसे अछूता नहीं है। 10,000 रुपये महिलाओं के खाते में भेजने के कारण महिला मतदाताओं का प्रतिशत बढ़ा और उन्होंने नीतीश सरकार के लिए जमकर मतदान किया जो आज के चुनाव परिणाम में दिखाई दे रहे हैं, इस चुनाव परिणाम ने सारे एग्जिट पोल को झुठला दिया। इस चुनाव परिणाम ने जदयु, भाजपा एनडीए गठबंधन की सत्ता को बरकरार रखा बल्कि उनकी ताकत एवं सीटों में इजाफा पहले से बहुत ही बेहतर हुआ है। चुनाव परिणाम ने साबित कर दिया कि नीतीश का जादू अभी भी बिहार में बरकार है।

बिहार विधानसभा चुनावों के नतीजों ने जनता के बदलते मन-मिजाज की एक झलक पेश की है। ताजा चुनाव परिणाम शायद इसी ओर इशारा कर रही है कि कुल मिलाकर जदयु, बीजेपी एवं एनडीए के लिए एक बड़ी सफलता है। क्या पीएम मोदी बिहार की अर्थव्यवस्था को लेकर कोई बड़ा फैसला करेंगे और इसके साथ ही अब वह क्या रणनीति अपनाएंगे, यह आनेवाले दिनों में पता चलेगा। विधानसभा चुनाव में जनता स्थानीय मुद्दों को ज्यादा तवज्जो देती है। बीजेपी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तिगत करिश्मे के सहारे चुनाव दर चुनाव जीत रही है और मोदी का वह करिश्मा बिहार में भी आश्चर्यकारी परिणाम लाये हैं क्योंकि बिहार में सुशील मोदी के निधन के बाद उनके स्तर का नेता आज भी नहीं है। ताजा चुनाव नतीजों को नीतीश भाजपा की गठबंधन सरकार के कामकाज पर टिप्पणी की तरह ही देखा जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह की दर्जनों रैलियां बताती हैं कि एनडीए इस चुनाव को लेकर कितना संवेदनशील है। क्योंकि इसका असर पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में भी असर देखने को मिलेगा। नीतीश कुमार का प्रदर्शन पहले से बेहतर हुआ है, खास तौर पर महिलाओं की वजह से, लेकिन मुख्यमंत्री पद को लेकर उनका नाम औपचारिक रूप से घोषित नहीं किया गया। इससे उनका वोटर कुछ असहज रहा। राजद महागठबंधन का स्तर बहुत मुश्किल भरा रहा है, आरजेडी अपने पिछले प्रदर्शन को भी कायम नहीं रख सकी 1 नंबर से वह 3 नंबर पर पहुंच गई, इस बार का उसका प्रदर्शन बेहद ही निराशाजनक रहा, उसके मुद्दे और वायदे जनता को पिछली बार की तरह नहीं आकर्षित कर पाई। सत्ता में उसकी आने की कोशिश और पीछे चली गई। पिछली बार आरजेडी ने 75 सीटें जीती थीं, जो आज 28 सीटों पर सिमट कर रह गई। सरकारी नौकरियां, माई बहन योजना, 30000 रुपये महिलाओं को सरकार बनते ही एकमुश्त देने की घोषणा एवं आजीविका दीदी को पक्की नौकरी और उनकी वेतन 30000 रुपये तक करने का वायदा भी कुछ खास असर नहीं कर पाया।

जनसुराज पार्टी की स्थिति मोटे तौर पर निराशाजनक ही कही जाएगी, क्योंकि वह पार्टी अपना खाता तक नहीं खोल पाया। प्रशांत किशोर खुद कहते रहे हैं कि या तो अर्श पर होंगे या फर्श पर। अगर नतीजे उनके पक्ष में नहीं आए वे इसे अपने बयान की पुष्टि ही मानेंगे। प्रशांत किशोर ने शुरुआत में कहा था कि वे राघोपुर से चुनाव लड़ेंगे, लेकिन बाद में पीछे हट गए, इससे उनके कार्यकर्ता निराश हुए, जब नेता ही मैदान छोड़ दे, तो कैडर का मनोबल गिरना स्वाभाविक है। महागठबंधन में भी तालमेल की कमी दिखी। चुनाव से दस दिन पहले तक पार्टियों में बातचीत नहीं हो रही थी।

पिछली बार के मुकाबले नीतीश कुमार की सीटें बढ़ी, एनडीए के भाजपा सहित सभी दलों ने अपना स्ट्राइक रेट बेहतर किया है। पहले के चुनाव में चिराग पासवान नीतीश के विरोध में लड़े थे, लेकिन इस बार वह नीतिश के साथ थे, इससे दोनों दलों एवं एनडीए गठबंधन को इसका फायदा मिला। बिहार के लोगों में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति भरोसा अभी भी बना हुआ है। चुनाव परिणाम ने पूर्व के सारे अनुमान को गलत साबित कर दिया क्योंकि एंटी-इनकंबेंसी का असर घोषित चुनाव परिणाम में स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं पड़ रहा है। बिहार में कुल 67.13 फीसदी का रिकॉर्ड मतदान हुआ। लेकिन महिलाओं ने इससे भी आगे बढ़कर 71.78 फीसदी मतदान किया, जबकि पुरुषों का मतदान फीसदी 62.98 प्रतिशत रहा। कई जिलों में महिलाओं ने पुरुषों से 10 से 15 फीसदी ज्यादा वोटिंग की। महिलाएं पिछले 15 सालों से लगातार ज्यादा संख्या में वोट कर रही थीं, लेकिन 2025 में उनकी भारी भागीदारी ने सबको चैंका दिया।

नीतीश कुमार की 10वीं पारी सुनिश्चित करने में महिलाओं के खाते में 10 हजार रुपये का कैश ट्रांसफर टर्न अराउंड का सबसे बड़ा फैक्टर साबित हुआ। महिला वोटरों का भरोसा उनके पक्ष में मजबूत हुआ और विपक्ष की रणनीति कमजोर पड़ गई। नीतीश की ये स्कीम चुनाव में गेम चेंजर साबित हुई। इस योजना के तहत 1.5 करोड़ महिलाओं के खाते में 10 हजार रुपये ट्रांसफर किए गए। इसका अप्रत्यक्ष असर लगभग 4 से 5 करोड़ परिवारों पर पड़ा। कहा जा सकता है कि इस स्कीम ने नीतीश और बीजेपी को तगड़ा वोट हासिल करने में मदद की है।

महिलाओं के पक्ष में स्कीम डिलीवरी का नीतीश कुमार का लंबा इतिहास रहा है। इसमें मुफ्त साइकिल, शराबबंदी, छात्रवृति, पंचायत में 50 प्रतिशत सीटों का आरक्षण, सरकारी नौकरी में 35 फीसदी आरक्षण अहम हैं। इस बार नीतीश कुमार ने 10 हजार नगदी देने का न सिर्फ वादा किया बल्कि इसे डिलीवर भी किया। इसका नतीजा उन्हें महिलाओं के बंपर वोटों के रूप में मिला।

## संपादकीय

### महंगाई में कमी

सरकारी आंकड़े हमेशा सार्वजनिक विमर्श में रहते हैं। राहत और तरक्की के दावे विभिन्न सरकारों के दौर में अकसर सामने आते हैं। टकसाली सत्य यही है कि राहत व तरक्की का जमीनी प्रभाव भी नजर आना चाहिए। मसलन, जिस जनहित की बात की जा रही है, उसका अहसास भी आमजन को होना चाहिए। प्रथम दृष्टया यह राहतकारी माना जाना चाहिए कि देश में खुदरा महंगाई की दर में गिरावट दर्ज की गई है। बताया जा रहा है कि अक्तूबर में देश की मुद्रास्फीति की दर घटकर 0.25 रह गई है। यह स्थिति साल 2013 के बाद से सबसे कम बताई जा रही है। जाहिर है सरकार ने इसे अपनी बड़ी उपलब्धि माना है। सरकार का दावा है कि मुद्रास्फीति में यह बड़ी गिरावट कीमतों पर मजबूत नियंत्रण और कुशल वित्तीय प्रबंधन को ही दर्शाती है। लेकिन वहीं दूसरी ओर आम परिवारों के लिये इस राहत का अहसास करना इतना भी आसान नहीं है। दरअसल, मुद्रास्फीति में इस गिरावट में मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों की कम कीमतों की भूमिका देखी जा रही है। वहीं दूसरी ओर हाल ही में की गई जीएसटी दरों में कटौती का प्रभाव भी बताया जा रहा है। जिसके चलते उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों में गिरावट आई है। वहीं दूसरी ओर मुद्रास्फीति में यह तीव्र गिरावट पिछले साल की ऊंची कीमतों के आधार प्रभाव को भी दर्शाती है, जो शायद लंबे समय तक न रहे। प्रथम दृष्टया भले ही यह प्रभावशाली लगे, लेकिन कई लोग अभी भी उच्च घरेलू खर्चों का दबाव महसूस कर रहे हैं। दूध, दालों और सब्जियों जैसी रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों में अभी भी उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। जिससे लोगों का पारिवारिक बजट प्रभावित हो रहा है। इसलिए, जहां समग्र मुद्रास्फीति दर में गिरावट आई है, वहीं आम लोगों के लिये व्यावहारिक जीवन यापन की लागत में उसी तरह की गिरावट महसूस नहीं की जा रही है। वैसे देखा जाए तो भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई के लिये यह स्थिति राहत और चुनौती दोनों ही लेकर आ रही है। दरअसल, ध्यान देने योग्य बात यह है कि मुख्य मुद्रास्फीति, जिसमें खाद्य और ईंधन शामिल नहीं हैं, ऊंची बनी हुई है। जो यह भी दर्शाती है कि मूल्य दबाव पूरी तरह से कम नहीं हुआ है। ऐसे में फुटकर मुद्रास्फीति इतनी कम होने के कारण उद्योग जगत की तरफ से दलील दी जा सकती है कि भारतीय रिजर्व बैंक दिसंबर की अपनी बैठक में उधार लेने और खर्च को प्रोत्साहित करने के लिये बैंक ब्याज दरों में कटौती पर विचार करे। लेकिन केंद्रीय बैंक को इस दिशा में सावधान भी रहना होगा। यदि केंद्रीय बैंक इस दिशा में कोई कदम उठाता है तो मुद्रास्फीति फिर से बढ़ भी सकती है। खासकर, अगर वैश्विक तेल की कीमतों में कोई अप्रत्याशित उछाल आ जाता है। वहीं दूसरी ओर यदि वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में रुपया कुछ कमजोर होता है। वैसे देखा जाए तो इस दौरान, मुद्रास्फीति में गिरावट का बेहतर ढंग से उपयोग मांग बढ़ाने, आय बढ़ाने और खाद्य कीमतों को स्थिर बनाने में भी किया जा सकता है। इसमें दो राय नहीं कि किसी भी देश में मुद्रास्फीति की कम दर एक छोटी अवधि में विकास को पुनर्जीवित करने में मदद भी कर सकती है। लेकिन इसकी शर्त यही है कि लापरवाही से सरकारी खर्च न बढ़ाया जाए या कोई खराब योजना का क्रियान्वयन न हो। ऐसे में आंकड़े तो दिखा सकते हैं कि कीमतें नियंत्रण में हैं, लेकिन लोगों के अनुभव कुछ और ही कहानी बयां कर सकते हैं। देश में सच्ची प्रगति तभी मानी जा सकती है, जब राहत हर घर तक पहुंचेगी। लेकिन जरूरत इस बात की है कि राहत सिर्फ सरकारी आकंड़ों में ही नजर न आए।

# बिरसा मुंडा : धरती बाबा से बिरसा भगवान तक

(लेखक -दिलीप कुमार पाठक )

(भगवान बिरसा मुंडा जयंती 15 नवंबर 2025)

बिरसा मुंडा एक आदिवासी नेता और लोकनायक थे। ये मुंडा जाति से सम्बन्धित थे। वर्तमान भारत में रांची और सिंहभूमि के आदिवासी बिरसा मुंडा को अब बिरसा भगवान कहकर याद करते हैं। मुंडा आदिवासियों को अंग्रेज़ों के दमन के विरुद्ध खड़ा करके बिरसा मुंडा ने यह सम्मान अर्जित किया था। 19वीं सदी में बिरसा भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में एक मुख्य कड़ी साबित हुए थे। कहा जाता है कि 1895 में कुछ ऐसी आलौकिक घटनाएँ घटीं, जिनके कारण लोग बिरसा को भगवान का अवतार मानने लगे। लोगों में यह विश्वास दृढ़ हो गया कि बिरसा के स्पर्श मात्र से ही रोग दूर हो जाते हैं।

बिरसा मुंडा का जन्म 1874 ई. में झारखण्ड राज्य के राँची में हुआ था। कहा जाता है कि उनके पिता, चाचा, ताऊ सभी ने ईसाई धर्म स्वीकार कर लिया था। बिरसा के पिता सुगना मुंडा जर्मन धर्म प्रचारकों के सहायक थे, बिरसा का बचपन अपने घर में, ननिहाल में और मौसी की ससुराल में बकरियों को चराते हुए बीता। बाद में उन्होंने कुछ दिन तक चाईबासा के जर्मन मिशन स्कूल में शिक्षा ग्रहण की। परन्तु स्कूलों में उनकी आदिवासी संस्कृति का जो उपहास किया जाता था, वह बिरसा को सहन नहीं हुआ। इस पर उन्होंने भी पादरियों का और उनके धर्म का भी मजाक उड़ाना शुरू कर दिया। फिर क्या था। ईसाई धर्म प्रचारकों ने उन्हें स्कूल से निकाल दिया। इसके बाद बिरसा के जीवन में एक नया मोड़ आया। उनका स्वामी आनन्द पाण्डे से सम्पर्क हो गया और उन्हें हिन्दू धर्म तथा महाभारत के पात्रों का परिचय मिला।

जन-सामान्य का बिरसा में काफ़ी दृढ़ विश्वास हो चुका था, इससे बिरसा को अपने प्रभाव में वृद्धि करने में मदद मिली। लोग उनकी बातें सुनने के लिए बड़ी संख्या में एकत्र होने लगे। बिरसा ने पुराने अंधविश्वासों का खंडन किया। लोगों को हिंसा और मादक पदार्थों से दूर रहने की सलाह दी। उनकी बातों का प्रभाव यह पड़ा कि ईसाई धर्म स्वीकार करने वालों की संख्या तेज़ीसे घटने लगी और जो मुंडा ईसाई बन गये थे, वे फिर से अपने पुराने धर्म में लौटने लगे। बिरसा मुंडा ने किसानों का शोषण करने वाले ज़मींदारों के विरुद्ध संघर्ष की प्रेरणा भी लोगों को दी। यह देखकर ब्रिटिश सरकार ने उन्हें लोगों की भीड़ जमा करने से रोका। बिरसा का कहना था कि मैं तो अपनी जाति को अपना धर्म सिखा रहा हूँ। इस पर पुलिस ने उन्हें गिरफ़्तार करने का प्रयत्न किया, लेकिन गांव वालों ने उन्हें छुड़ा लिया। शीघ्र ही वे फिर गिरफ़्तार करके दो वर्ष के लिए हज़ारीबाग़ जेल में डाल दिये गये।

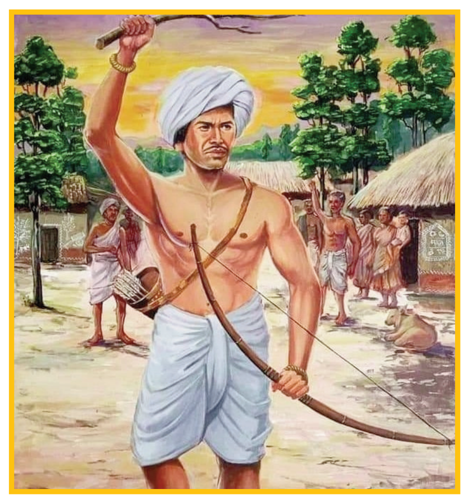

कहा जाता है कि नवंबर, 1897 में जब बिरसा मुंडा को पूरे 2 साल 12 दिन जेल में बिताने के बाद रिहा किया जा रहा था, तब उनके दो और साथियों--डोंका मुंडा और मझिया मुंडा-को भी छोड़ा जा रहा था। ये तीनों साथ-साथ जेल के मुख्य गेट की तरफ़ बढ़ रहे थे, जेल के क्लर्क ने रिहाई के कागज़ात के साथ कपड़ों का एक छोटा-सा बंडल भी दिया। बिरसा ने अपने पुराने सामान पर एक नज़र डाली और वो ये देख कर थोड़े परेशान हुए कि उसमें उनकी चप्पल और पगड़ी नहीं थी। जब बिरसा के साथ डोंका ने पूछा कि बिरसा की चप्पल और पगड़ी कहाँ है, तो जेलर ने जवाब दिया कि कमिश्नर फ़ोर्ब्स के आदेश हैं कि हम आपकी चप्पल और पगड़ी आपको न दें क्योंकि सिर्फ़ ब्राह्मण, ज़मींदारों और साहूकारों को ही चप्पल और पगड़ी पहनने की इजाज़त है। इससे पहले कि बिरसा के साथी कुछ कहते बिरसा ने अपने हाथ के इशारे से उन्हें चुप रहने को कहा। जब बिरसा और उनके साथी जेल के गेट से बाहर निकले तो क़रीब 25 लोग उनके स्वागत में खड़े थे। उन्होंने बिरसा को देखते ही नारा लगाया, बिरसा भगवान की जय! बिरसा ने कहा आप सबको मुझे भगवान नहीं कहना चाहिए. इस लड़ाई में हम सब बराबर हैं। तब बिरसा के साथी भरमी ने कहा हमने आपको एक दूसरा नाम भी दिया था धरती आबा. अब हम आपको इसी नाम से पुकारेंगे।

जेल से छूटने के बाद उन्होंने अपने अनुयायियों के दो दल बनाए। एक दल मुंडा धर्म का प्रचार करने लगा और दूसरा राजनीतिक कार्य करने लगा। नए युवक भी भर्ती किये गए। इस पर सरकार ने फिर उनकी गिरफ़्तारी का वारंट निकाला, किन्तु बिरसा मुंडा पकड़ में नहीं आये। इस बार का आन्दोलन बलपूर्वक सत्ता पर अधिकार के उद्देश्य को लेकर आगे बढ़ा। यूरोपीय अधिकारियों और पादरियों को हटाकर उनके स्थान पर बिरसा के नेतृत्व में नये राज्य की स्थापना का निश्चय किया गया। 24 दिसम्बर, 1899 को उलगुलान आन्दोलन आरम्भ हुआ। तीरों से पुलिस थानों पर आक्रमण करके उनमें आग लगा दी गई। सेना से भी सीधी मुठभेड़ हुई, किन्तु तीर कमान गोलियों का सामना नहीं कर पाये। बिरसा मुंडा के साथी बड़ी संख्या में मारे गए। उनकी जाति के ही दो व्यक्तियों ने धन के लालच में बिरसा मुंडा को गिरफ़्तार करा दिया। 9 जून, 1900 ई. को जेल में उनकी मृत्यु हो गई। कहा जाता है कि उन्हें जहर दे दिया गया था तो कई इतिहासकार बुखार या संक्रमण भी मौत का कारण मानते हैं। बिरसा मुंडा की मृत्यु तो हो गई थी, लेकिन उनकी महान शख्सियत लोक गीतों और जातीय साहित्य में बिरसा मुंडा आज भी जीवित हैं। (लेखक पत्रकार हैं)

# उपाय भी ठीक से हो

एक सास ने बहू से कहा, बहूरानी! मैं अभी बाहर जा रही हूं। एक बात का ध्यान रहे, घर में अंधेरा न घुसने पाए। बहू बहुत भोली थी। सास चली गई, सांझ होने को आई। उसने सोचा कि अंधेरा कहीं घुस न जाए, सारे दरवाजे बंद कर दिए। सब खिड़कियां बंद कर दीं। दरवाजे के पास लाठी लेकर बैठ गई। सोचा- दरवाजा खुला नहीं है, कोई खिड़की खुली है, कहीं भी कोई छेद नहीं। आएगा तो दरवाजा खटखटाएगा, लाठी लिए बैठी हूं, देखती हूं कैसे अन्दर आएगा। पूरी व्यवस्था कर दी। अंधेरा गहराने लगा। सोचा, कहां से आ गया! कहीं भी तो कोई रास्ता नहीं है। हो न हो दरवाजे से ही आ रहा है। अन्धकार को पीटना शुरू कर दिया। काफी पीटा कि निकल जाओ मेरे घर से! मेरी सास की मनाही है कि तुम्हें भीतर घुसना नहीं है! खूब लाठियां बजाई। लाठी टूटने लगी। हाथ छिल गए। लहूलुहान हो गए। अंधेरा तो नहीं गया। परेशान हो गई।

सास आई। दरवाजा खोला। कहा, यह क्या किया? मैंने कहा था कि अंधेरे को मत आने देना घर में। वह बोली, देखो, मेरे हाथ देख लो। लहूलुहान हो गए। लाठी टूट गई। मैंने बहुत समझाया, बहुत रोका, पर इतना जिद्दी है कि माना ही नहीं और यह तो घुस ही गया। सास ने सिर पर हाथ रखा। कहा, बहूरानी!

अंधेरे को ऍसे मिटाया जाता है? क्या अंधेरा ऍसे मिटता है? समझी नहीं तुम बात को। सास ने दीया जलाया, अंधेरा समाप्त हो गया। उपाय के बारे में हमारी जानकारी सही नहीं होती तो हम प्रयत्न तो करते हैं, परिश्रम करते हैं, पर अंधेरा मिटता नहीं।

## विचार मंथन

# सरकार की 10 लाख करोड़ के पेंशन फंड पर नजर ?

(लेखक- सनत जैन )

सरकार की नजर अब देश के सबसे बड़े सुरक्षित कोषों में से एक पेंशन फंड पर है। वित्त मंत्रालय 10 लाख करोड़ रुपये के पेंशन फंड पर नजर लगाए हुए है। दरअसल सरकार पेंशन फंड को नई योजनाओं या बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में लगाने पर विचार कर रही है। यह फैसला सरकार के आर्थिक संसाधनों के लिए नया खजाना खोल सकता है। वहीं कर्मचारियों का भविष्य, जोखिम और चिंता का कारण बनने लगा है। दरअसल, पेंशन फंड का पैसा लाखों सरकारी और निजी कर्मचारियों की कई दशकों की बचत है, जिसे वह बुढ़ापे की आर्थिक सुरक्षा के रूप में देखते हैं। कुछ वर्ष पूर्व पेंशन फंड का एक हिस्सा बाजार में लगा दिया गया। सरकार ने शेयर बाजार को पैसा उपलब्ध कराने के लिए पेंशन फंड के सीमित निवेश को शेयर बाजार में लगाया हुआ है। अब पूरे पेंशन फंड को सरकार जोखिम में डालने जा रही है। इस कारण कर्मचारी संगठन उद्वेलित हो रहे हैं। कर्मचारी पेंशन फंड के कोष का उपयोग अगर सरकार अपने विकास प्रोजेक्ट्स या कर्ज चुकाने के लिए करती है, तो ऐसी स्थिति में सरकार अपने कर्मचारियों के उस भरोसे पर चोट करेगी, जो कर्मचारी इस फंड और सरकार पर पेंशन को लेकर विश्वास करते हैं। पेंशन कर्मचारियों के बुढ़ापे का सबसे बड़ा सहारा होता है। वह स्वयं और अपने परिवार का पेंशन के जरिए गुजारा करता है। पेंशन फंड का निवेश जोखिम-मुक्त निवेश के रूप में होना चाहिए ताकि वह पेंशनधारी को स्थिर रिटर्न कर्मचारियों को देना होता है। कर्मचारी की बचत का उपयोग सरकार अपनी वित्तीय कमी और घाटे को पूरा करने के लिए नहीं कर सकती है। वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है, अगर सरकार इस राशि को इंफ्रास्ट्रक्चर या लंबी अवधि के निवेश में लगाना चाहती है तो सरकार को गारंटीड रिटर्न देना होगा।

आर्थिक विशेषज्ञों का यह भी कहना है, कि जब इंदिरा गांधी ने बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया था, तब बैंकों के पास जमा धन को सरकार ने बांड के जरिए रिजर्व बैंक के माध्यम से उधार लिया था। बैंकों में जमा राशि पर सरकार निश्चित दर से ब्याज देती थी, जिस कारण बैंकों के राष्ट्रीयकरण का उद्देश्य पूरा हुआ। पंचवर्षीय योजनाओं के लिए सरकार को बैंकों के माध्यम से बांड के रूप में एक बहुत बड़ी राशि उपलब्ध हुई। वहीं जिन लोगों ने अपनी छोटी-छोटी सी बचत भी बैंकों में जमा की थी। उन्हें ब्याज के रूप में भारी रिटर्न मिला, लोगों का विश्वास बैंकों पर बढ़ा। राष्ट्रीयकरण के बाद केंद्र सरकार को भारी मात्रा में जनता से धन प्राप्त हुआ। कुछ ही वर्षों में सरकार ने कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त की। वही पंचवर्षीय योजनाओं के लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को धन उपलब्ध हुआ। सरकार यदि पेंशन फंड का इस्तेमाल सरकारी योजनाओं के लिए करना चाहती है तो उसकी गारंटी भी सरकार को लेनी होगी और एक निश्चित रिटर्न पेंशन होल्डर को समय-समय पर भुगतान करना होगा। पेंशन फंड को बाजार के हवाले नहीं किया जा सकता है। वह भी उसे बाजार का जिसका कोई धनी-धोरी ना हो। बाजार की अस्थिरता के चलते फंड की सुरक्षा और रिटर्न दोनों खतरे में पड़ सकते हैं। बुढ़ापे में पेंशन पाने वाले कर्मचारी इस तरह का जोखिम ना तो उठा सकते हैं ना ही सरकार को उन्हें इस जोखिम में डालना चाहिए। सरकार का तर्क यह है, अगर यह पैसा उत्पादक क्षेत्रों में लगाया गया, तो इससे अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा और इसका लाभ पेंशनधारकों को मिलेगा। सवाल यह उठता है, क्या सरकार की आर्थिक नीतियां स्थिर और पारदर्शी हैं? शेयर बाजार और वित्तीय संस्थाओं का निवेश क्या सुरक्षित है? वर्तमान स्थिति में सभी जगह आर्थिक व्यवस्था डंवाडोल है। सभी वित्तीय संस्थाएं ऑक्सीजन पर चल रही हैं। जिस बाजार पर केंद्र सरकार भरोसा कर रही, वह कभी भी ढहने के लिए तैयार है। शेयर बाजार और वित्तीय संस्थानों में जिस तरह के घपले और घोटाले हो रहे हैं, उसमें कर्मचारियों की आजीवन बचत और भविष्य को दांव पर लगाया जा सकता है? पिछले कुछ वर्षों में कई सरकारी कंपनियों और बैंकों के घाटे का बोझ आम जनता उठा रही है। बैंकों की सेवाएं लगातार महंगी होती जा रही हैं। ब्याजदर लगातार कम हो रही है। बैंक में जमा राशि के ब्याज से लोगों का खर्च नहीं चल पा रहा है। पेंशन फंड पर भी सरकार ने यदि यही रास्ता अपनाया, तो आने वाले समय में लाखों पेंशनधारकों की आर्थिक स्थिति डगमगा जाएगी। बुढ़ापे में वह और उनके परिवार 2 जून की रोटी और अपने इलाज के लिए मोहताज हो सकते हैं। यह रिस्क सरकार को नहीं लेनी चाहिए। सरकार को चाहिए कि वह पेंशन फंड का उपयोग केवल सुरक्षित, पारदर्शी और निश्चित रिटर्न सुनिश्चित करने वाले साधनों में निवेश करे। इस फंड को राजनीतिक या राजकोषीय संकट से निपटने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। सरकार को अपने ही कर्मचारी जो पेंशन पर आधारित है उनके भविष्य के साथ कोई खिलवाड़ ना हो इसका ध्यान रखने की जिम्मेदारी संवैधानिक रूप से सरकार की है। 10 लाख करोड़ रुपये का पेंशन फंड केवल वित्तीय आंकड़ा नहीं है। यह करोड़ों परिवारों के भविष्य की उम्मीद और जीवन जीने की गारंटी है। सरकार को यह याद रखना होगा, विकास योजनाएं तभी सार्थक होंगी। जब नागरिकों की आर्थिक सुरक्षा उससे प्रभावित न हो। विकास योजना तभी सार्थक होगी, जब वह नागरिकों के लिए बेहतर साबित होंगी।

## पाइन लैब्स का शेयर 242 रुपए प्रति शेयर के भाव पर सूचीबद्ध

**नई दिल्ली** वित्त प्रौद्योगिकी कंपनी पाइन लैब्स का शेयर शुक्रवार को बीएसई और एनएसई दोनों पर 242 रुपए प्रति शेयर के भाव पर सूचीबद्ध हुआ, जो कि निर्गम मूल्य 221 रुपए के मुकाबले 9.5 फीसदी अधिक है। सूचीबद्ध होने के तुरंत बाद शेयर ने तेजी जारी रखी और एनएसई पर 275 रुपए तथा बीएसई पर 274.85 रुपए तक पहुंच गया, जो क्रमशः 24.43 फीसदी और 24.36 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। पाइन लैब्स का आईपीओ 2,080 करोड़ रुपए का था, जिसमें नए शेयरों के साथ 8.23 करोड़ से अधिक शेयरों की बिक्री शामिल थी। कंपनी के शेयरों के निर्गम मूल्य का दायरा 210-221 रुपए तय किया गया था। अंतिम दिन आईपीओ को 2.46 गुना अभिदान मिला। शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने के बाद कंपनी का बाजार मूल्यांकन एनएसई पर 31,118.29 करोड़ और बीएसई पर 31,095.32 करोड़ रुपए रहा।

## मुथूट फाइनेंस का मुनाफा 87 फीसदी बढ़ा

**नई दिल्ली** गोल्ड लोन कंपनी मुथूट फाइनेंस का मुनाफा सितंबर 2025 तिमाही में 2,345 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की इसी तिमाही के 1,251.1 करोड़ रुपये से 87 फीसदी अधिक है। कुल आय बढ़कर 6,461 करोड़ रुपये और ब्याज आय 6,304 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी का कुल खर्च 3,309 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की तुलना में 37 फीसदी अधिक है।

## पिंपरी चिंचवाड़ में सरकारी जमीन की अवैध बिक्री, अधिकारी निलंबित

### 15 एकड़ पशुपालन विभाग की भूमि 33 करोड़ में बेची गई

**पुणे** पुणे जिले के पिंपरी चिंचवाड़ में पशुपालन विभाग की 15 एकड़ सरकारी जमीन कथित तौर पर नियमों का उल्लंघन कर बेची गई। तथावडे क्षेत्र में यह भूखंड गैर-हस्तांतरणीय श्रेणी में होने के बावजूद 33 करोड़ रुपये में बिक्री के लिए पंजीकृत किया गया। राज्य सरकार की पूर्व अनुमति के बिना सरकारी संपत्ति की बिक्री अवैध है। इस मामले में महानिरीक्षक पंजीकरण (आईजीआर) ने हवेली नंबर 17 के वरिष्ठ लिपिक एवं प्रभारी उप-रजिस्ट्रार विद्या शंकर बाडे (सांगले) को निलंबित कर दिया। पंजीकरण और स्टांप के उप महानिरीक्षक तथा जिला रजिस्ट्रार द्वारा की गई संयुक्त जांच में पाया गया कि बाडे ने स्पष्ट प्रतिबंधों के बावजूद बिक्री विलेख पंजीकृत किया। आईजीआर ने उच्च स्तरीय जांच का आदेश दिया है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह लापरवाही व्यक्तिगत थी या प्रणालीगत दोष भी शामिल थे।

## एलिटकॉन के शेयर ने निवेशकों की बदली किस्मत

**मुंबई** एफएमसीजी कंपनी एलिटकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड ने निवेशकों की किस्मत बदल दी है। कंपनी के शेयर की कीमत 1 रुपए से बढ़कर 145.70 रुपए तक पहुंच गई। पिछले एक साल में यह स्टॉक लगभग 11,000 फीसदी का रिटर्न दे चुका है। अगर किसी निवेशक ने 1 साल पहले 1 लाख रुपए लगाए होते, तो वर्तमान में उनकी राशि 1.1 करोड़ रुपए से अधिक हो चुकी होती। पनी ने 1 रुपए फेस वैल्यू वाले शेयर पर अंतरिम डिविडेंड की घोषणा की है।

## इंफोसिस का 18,000 करोड़ का सबसे बड़ा बायबैक शुरू

### बायबैक का 15 फीसद हिस्सा छोटे निवेशकों के लिए आरक्षित

**मुंबई** आईटी दिग्गज इंफोसिस का 18,000 करोड़ रुपए का बायबैक शुक्रवार से शुरू हो गया है। रिकॉर्ड डेट के अनुसार जिन निवेशकों के पास आज के अंत तक इंफोसिस के शेयर होंगे, वही इस बायबैक में हिस्सा ले पाएंगे। टी-प्लस1 सेटलमेंट नियम के कारण, शेयर खरीदने का अंतिम दिन 13 नवंबर था। कंपनी इस बायबैक को टेंडर ऑफर रूट के तहत कर रही है। बायबैक प्राइस 1,800 रुपए प्रति शेयर तय की गई है, जो हालिया बाजार भाव से लगभग 18 फीसदी प्रीमियम पर है। बायबैक के तहत कंपनी 10 करोड़ शेयर वापस खरीदेगी, जो कुल इक्विटी का 2.41 फीसदी है। इस बायबैक का 15 फीसद हिस्सा छोटे निवेशकों के लिए आरक्षित है।

# भारत कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर कर रहा बातचीत: गोयल

### समझौतों से भारतीय वस्तुओं, सेवाओं और पूंजी के प्रवाह को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा मिलेगा

**नई दिल्ली**

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत इस समय अमेरिका, यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड, ओमान, पेरू और चिली जैसे देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर बातचीत कर रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि कई अन्य देश भी भारत के साथ व्यापार समझौते की इच्छुक हैं। गोयल ने कहा कि भारत पहले ही संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया और चार यूरोपीय देशों के समूह ईएफटीए के साथ मुक्त व्यापार समझौते लागू कर चुका है।

उनका कहना है कि इन समझौतों से भारतीय वस्तुओं, सेवाओं और पूंजी के प्रवाह को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा मिलेगा। मंत्री ने बताया कि आईटीपीओ के माध्यम से 'आंध्र मंडपम' को नई दिल्ली के 'भारत मंडपम' जैसी वैश्विक पहचान वाला कन्वेंशन सेंटर बनाने की योजना है। इसके लिए राज्य सरकार के साथ सहयोग को भी प्राथमिकता दी जाएगी। गोयल ने कहा कि केंद्र सरकार ने 42,000 अनुपालनों और 1,500 पुराने कानूनों को समाप्त कर व्यापार को आसान बनाया है। उनका मानना है कि इससे निवेश और व्यापार दोनों में सुगमता आएगी और वैश्विक व्यापार बाधाओं में कमी आएगी।

## अदाणी समूह आंध्र प्रदेश में 1 लाख करोड़ निवेश करेगा: करण अदाणी

### निवेश मुख्यतः बंदरगाह, सीमेंट, डेटा सेंटर, ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों में होगा

**विशाखापत्तनम** आंध्र प्रदेश निवेशक शिखर सम्मेलन में अदाणी समूह के करण अदाणी ने घोषणा की कि अगले दस वर्षों में समूह राज्य में 1 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा। यह निवेश पहले से किए गए 40,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त होगा। निवेश मुख्यतः बंदरगाह, सीमेंट, डेटा सेंटर, ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों में होगा। समूह ने 15 अरब डॉलर की 'विजाग टेक पार्क' योजना का भी खुलासा किया। इसमें गूगल के साथ साझेदारी में दुनिया के सबसे बड़े हरित-संचालित हाइपरस्केल डेटा सेंटर इकोसिस्टम का निर्माण शामिल है। करण अदाणी ने बताया कि वर्तमान परियोजनाओं से 1 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा हुई हैं और आगामी परियोजनाओं से और रोजगार सृजन की योजना है।

## भारतीय कंपनियां डेटा सेंटर क्षमता में कर रही हैं निवेश

**मुंबई** भारत में 50 प्रतिशत से ज्यादा कंपनियों का मानना है कि एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) वर्कलोड आने वाले तीन से पांच वर्षों में 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ सकता है। इसके लिए अगले 12 महीनों में नई डेटा सेंटर क्षमता में निवेश कर रही हैं। नेटवर्किंग उपकरण बनाने वाली कंपनी सिस्को की ओर से बताया गया कि 91 प्रतिशत भारतीय कंपनियां अपने सिस्टम में ऑटोनॉमस एआई एजेंट्स की तैनाती कर रही हैं और केवल 37 प्रतिशत ही उस पूरी तरह से सुरक्षित रख पाने में सक्षम हैं। सिस्को ने रिपोर्ट में कहा कि 97 प्रतिशत ग्लोबल पेससेटर्स ने यूस केस को अनलॉक करने और अधिक रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट (आरओआई) प्राप्त करने के लिए एआई का उपयोग किया है। रिपोर्ट में कहा गया है, वे नेटवर्क-फर्स्ट नींव का निर्माण करते हैं, पावर इन्फ्रास्ट्रक्चर को प्राथमिकता देते हैं, निरंतर अनुकूलन करते हैं और पहले दिन से ही सुरक्षा का ध्यान रखते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कर्मचारियों के लिए भी वर्कप्लेस में उनके काम करने के तरीकों को बदलने को लेकर एक अहम फैक्टर बना है। एक ताजा स्टडी बताती है कि 71 प्रतिशत कर्मचारी एआई का इस्तेमाल करियर को प्लान करने और प्रॉब्लम को सॉल्व करने के लिए करते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 75 प्रतिशत कर्मचारियों ने माइक्रो-रिटायरमेंट, मूनलाइटिंग, फ्लेक्सिबल शेड्यूल और बेयर-मिनिमम मंडे जैसे कम से कम एक नए वर्कप्लेयर बिहेवियर को अपनाना शुरू कर दिया है।

# शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

### सेंसेक्स 84 अंक, निफ्टी 30 अंक ऊपर आये

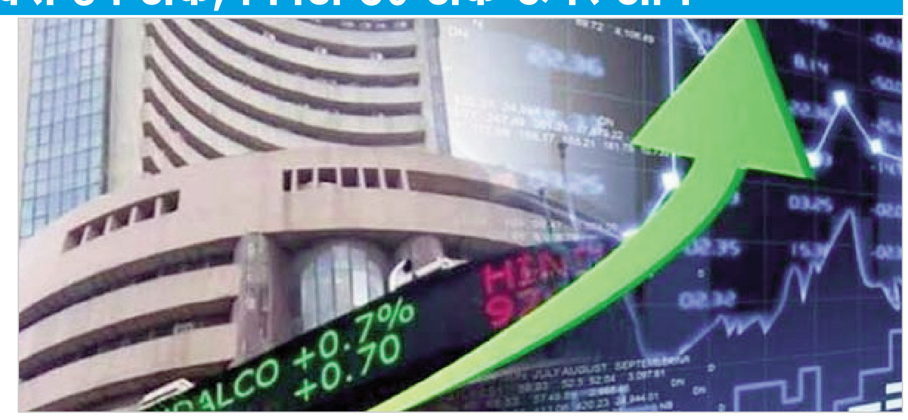


**मुम्बई**

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ।

सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन एशियाई बाजारों में व्यापक कमजोरी और वैशिक संकेतों की गिरावट से बाजार नीचे आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 84 अंक की बढ़त के साथ आज 84,478.67 अंकों के स्तर पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 30 अंक बढ़कर 25,910.05 अंकों के स्तर पर बंद हुआ।वहीं मिडकैप शेयरों में भी पूरे दिन उतार-चढ़ाव आता रहा। निफ्टी मिडकैप 50 मार्केट बंद होने तक 18 अंक की बढ़त के साथ 17,299.70 अंक पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों में मुथूट फाइनेंस, जूबिलेंट फूड और भारत डायनमिक्स , के अलावा वोडाफोन-आइडिया के शेयरों में भी बढ़त रही। वहीं सुप्रीम इंडस्ट्रीज, इंफोसिस, एस्ट्रल लिमिटेड और आयशर मोटर्स गिरावट के साथ नीचे आये।

वहीं इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 400 से अधिक अंकों की गिरावट के साथ 84,060 पर खुला। खुलने के तुरंत बाद ही यह 84,316 तक लुढ़क कर 253.68 अंक की कमजोरी के साथ 84,224.99 पर ट्रेड कर रहा था। इसी तरह एनएसई निफ्टी-50 भी कमजोरी के साथ 25,767.90 पर खुला।

शुरुआती गिरावट के बाद इंडेक्स में हल्की रिकवरी दिखने के बाद 20.90 अंक गिरकर 25,858.25 पर कारोबार कर रहा था। वहीं वैश्विक स्तर पर, वॉल स्ट्रीट गुरुवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। टेक्नोलॉजी और एआई से जुड़े शेयरों में तेज बिकवाली ने बाजार पर दबाव बढ़ाया, जबकि फेडरल रिज़र्व की संभावित ब्याज दर कटौती को लेकर बनी अनिश्चितता ने निवेशकों की चिंता बढ़ाई।

एशियाई बाजारों पर भी इसका गहरा असर दिखा। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 1.5 फीसदी टूट गया, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 2.03 फीसदी गिरा और हांगकांग का हैंग सेंग 1.23 फीसदी कमजोर हुआ।

# भारतीय शेयर बाजार उभरते देशों से पिछड़ा, रुपए में स्थिरता की उम्मीद: रिपोर्ट

### अगले साल चालू खाता घाटा 20 साल के निचले स्तर पर आने का अनुमान

**नई दिल्ली**

जेफरीज के एक प्रसिद्ध बाजार विशेषज्ञ ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा है कि वर्ष 2024 में भारतीय शेयर बाजार उभरते देशों की तुलना में काफी कमजोर प्रदर्शन करता दिखा है। उन्होंने बताया कि भारत का बाजार इस साल एमएससीआई उभरते बाजार इंडेक्स से 27 फीसदी पीछे रहा। इसके बावजूद, घरेलू निवेशकों की लगातार खरीदारी ने बाजार को बड़ी गिरावट से बचाए रखा है। रिपोर्ट के अनुसार रुपये ने इस साल अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं की मुद्राओं के मुकाबले सबसे ज्यादा कमजोरी दिखाई, लेकिन आगे चलकर इसमें स्थिरता आने की संभावना है। उनका अनुमान है कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का चालू खाता घाटा जीडीपी के मात्र 0.5 फीसदी तक सिमट सकता है, जो पिछले दो दशकों में सबसे कम होगा। साथ ही, देश का 690 बिलियन डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार करीब 11 महीनों के आयात को कवर करने में सक्षम है, जिससे रुपये को सपोर्ट मिलता है। हालांकि, रिपोर्ट में एक बड़े जोखिम की चेतावनी भी दी गई है। उनके अनुसार कई राज्य सरकारें हाल के वर्षों में चुनावी लाभ के लिए मुफ्त योजनाएं और रियायतें बढ़ाती जा रही हैं, जिससे उनकी वित्तीय स्थिति कमजोर होती दिख रही है। जबकि केंद्र सरकार की वित्तीय स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है, राज्यों की बढ़ती पॉपुलिस्ट नीतियां दीर्घकालिक आर्थिक संतुलन पर दबाव डाल सकती हैं। रिपोर्ट में सरकार द्वारा ब्याज दरों में कमी, क्रेडिट में वृद्धि और 22 सितंबर से जीएसटी में कटौती जैसे कदमों का भी जिक्र किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन उपायों का वास्तविक असर आने वाले महीनों में दिखेगा।

## अपैरल ग्रुप ने रियल एस्टेट और रिटेल क्षेत्र में किया विस्तार

### दिसंबर 2025 तक कंपनी दुबई में अपना दूसरा विकास कार्य शुरू करेगी

**दुबई** परिधान खुदरा और एफएंडबी क्षेत्र की अग्रणी कंपनी अपैरल ग्रुप ने रियल एस्टेट क्षेत्र में कदम रखा है। इसके तहत कंपनी की सहायक कोरा प्रॉपर्टीज ने दुबई मैरीटाइम सिटी में 40 मंजिला वाटरफ्रंट आवासीय परियोजना आईएल वेंटो पेश की है। इस परियोजना के 2029 तक पूरा होने की संभावना है। अपैरल ग्रुप ने कहा कि उनका उद्देश्य ऐसे आवासीय स्थल तैयार करना है जो जीवन जीने की उमंग उत्पन्न करें। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के बाद दिसंबर 2025 तक कंपनी दुबई में अपना दूसरा विकास कार्य शुरू करेगी, जिसमें वाणिज्यिक और अर्ध-वाणिज्यिक टावर शामिल होंगे। इसके अलावा, समूह भारत और अन्य उभरते बाजारों में शॉपिंग मॉल में निवेश करने की योजना बना रहा है। वेद का मानना है कि इन बाजारों में अब भी काफी संभावनाएँ हैं और साझेदारी के माध्यम से स्थानीय विशेषज्ञता का लाभ उठाना प्राथमिकता होगी। अपैरल ग्रुप ने फ्रांस की खुदरा कंपनी कैरेफोर के साथ साझेदारी की है। शुरुआत में उत्तर भारत में कैरेफोर का विशेष ब्रांड पेश किया जाएगा, जिसके बाद पूरे देश में विस्तार होगा। पहला स्टोर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में खुलने की उम्मीद है।

# सरकार ने 14 वस्तुओं पर गुणवत्ता नियंत्रण आदेश वापस लिए

### उद्योग को मिलेगा सस्ता कच्चा माल!

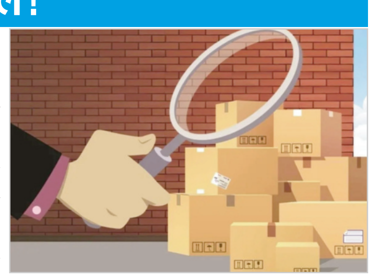

**नई दिल्ली**

नीति आयोग के सदस्य राजीव गौबा की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों के आधार पर केंद्र सरकार ने प्लास्टिक, पॉलिमर, सिंथेटिक फाइबर और धागों सहित 14 वस्तुओं पर लागू गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) वापस ले लिए हैं। सरकार का कहना है कि यह फैसला उद्योगों पर बढ़ते अनुपालन बोझ को कम करेगा और विनिर्माण क्षेत्र के लिए कच्चे माल की उपलब्धता आसान बनाएगा। रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग द्वारा जारी राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) से परामर्श के बाद इन आदेशों को जनहित में रद्द किया गया है। यह आदेश 12 नवंबर से प्रभावी हो गया है। अब 100 फीसद पॉलिएस्टर स्पन यार्न, पॉलिएस्टर इंडस्ट्रियल यार्न, **विस्कॉस स्टेपल फाइबर, पॉलीकार्बोनेट, पॉलीयूरीथेन समेत कई इनपुट सामग्री के आयात और घरेलू बिक्री के लिए बीआईएस प्रमाणन की जरूरत नहीं होगी। समिति की पिछले महीने प्रस्तुत आंतरिक रिपोर्ट में उद्योगों द्वारा उठाई गई चिंताओं को रेखांकित करते हुए 200 से अधिक उत्पादों पर क्यूसीओ को रद्द या स्थगित करने की अनुशंसा की गई थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि क्यूसीओ के कारण आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हो रही थी और घरेलू कताई, बुनाई एवं परिधान उद्योग वैश्विक प्रतिस्पर्धी कीमतों पर कच्चा माल हासिल नहीं कर पा रहे थे।

# अक्टूबर में महंगाई दर में कमी, आरबीआई कर सकता हैं ब्याजदरों में कटौती

**नई दिल्ली**

देश के प्रमुख अर्थशास्त्रियों ने कहा कि अक्टूबर में महंगाई दर में कमी के चलते केंद्रीय बैंक फिर से दिसंबर की मौद्रिक नीति कमेटी (एमपीसी) में ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। खुदरा महंगाई दर अक्टूबर में रिकॉर्ड 0.25 प्रतिशत के निचले स्तर पर पहुंच गई है, जो कि सितंबर में 1.44 प्रतिशत थी।

यह मौजूदा सीपीआई सीरीज में दर्ज की गई अब की सबसे कम महंगाई दर है।

एक रिपोर्ट में बताया गया कि उम्मीद से अधिक खाद्य महंगाई दर में कमी आने, बाकी बचे वर्ष में खाद्य उत्पादों की आपूर्ति मजबूत रहने, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें कम होने और जीएसटी का फायदा लोगों तक पहुंचने के कारण हमारा अनुमान है कि खुदरा महंगाई दर इस वित्त वर्ष में औसत 2.5 प्रतिशत पर रहेगी है, जो कि पिछले वर्ष के आंकड़े 4.6 प्रतिशत से कम है।

बताया गया हैं कि कई बड़ी कैटेगरी में जीएसटी का प्रभाव अक्टूबर में पूरी तरह से ट्रांसफर नहीं हुआ है, जिसका प्रभाव आने वाले समय में हमें नवंबर में देखने को मिलेगा।

खुदरा महंगाई दर नवंबर में वर्तमान में 0.9 प्रतिशत पर है, इसमें जीएसटी के प्रभाव के कारण और गिरावट आ सकती है। वित्त वर्ष 26 में मुख्य महंगाई दर अब 2 प्रतिशत से कम रहने का अनुमान है, जिसका सीधा अर्थ है कि आरबीआई के 2.6 प्रतिशत के अनुमान में 50 आधार अंकों की और गिरावट आएगी। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) वित्त वर्ष 2026 के लिए अपने खुदरा महंगाई दर के अनुमान को 2.6 प्रतिशत से और कम कर सकती है, जो खाद्य कीमतों में नरम क्रमिक गति के साथ-साथ सीपीआई बास्केट में कई वस्तुओं पर जीएसटी दर युक्तिकरण के प्रभाव को देखते हुए संभव है। उन्होंने आगे कहा कि इससे दिसंबर की मौद्रिक नीति में ब्याज दरों के और कम होने का रास्ता साफ हो गया है।

## सोने के भाव में 194 रुपए और चांदी में 555 रुपए की तेजी

### सोना 1.27 लाख के करीब, चांदी 1,62,851 रुपए प्रति किलो

**नई दिल्ली**

घरेलू वायदा बाजार में शुक्रवार को सोना और चांदी दोनों तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। शुरुआती हल्की सुस्ती के बाद दोनों बहुमूल्य धातुओं में खरीदारी बढ़ी है, जिससे भावों में मजबूती देखने को मिल रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 3 रुपये की गिरावट के साथ 1,26,748 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला था, जबकि पिछला बंद भाव 1,26,751 रुपये था। हालांकि बाद में तेजी लौटते हुए सोने का वायदा भाव 194 रुपये बढ़कर 1,26,945 रुपये पहुंच गया। कारोबार के दौरान इसने 1,27,048 रुपये का दिन का उच्च और 1,26,748 रुपये का दिन का निम्न स्तर छुआ। इस साल सोना 1,31,699 रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू चुका है। चांदी के वायदा भाव में भी मजबूती देखने को मिली। एमसीएक्स पर चांदी का दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 381 रुपये की तेजी के साथ 1,62,851 रुपये प्रति किलो पर खुला, जो पिछले बंद 1,62,470 रुपये की तुलना में मजबूत शुरुआत रही। इसमें तेजी बढ़कर 555 रुपये तक पहुंच गई और यह 1,63,025 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इस दौरान चांदी ने 1,63,333 रुपये का दिन का उच्च और 1,62,714 रुपये का दिन का निम्न स्तर बनाया। वर्ष 2024 में चांदी का उच्चतम स्तर 1,69,200 रुपये प्रति किलो दर्ज हुआ था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना और चांदी के वायदा भाव में तेजी का रुख रहा। कॉमेक्स पर सोना 4,174.90 डॉलर प्रति औंस पर खुला और बाद में 4,205.60 डॉलर पर पहुंच गया। चांदी के भाव भी 52.20 डॉलर से बढ़कर 53.35 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंच गए। दोनों धातुओं में वैश्विक स्तर पर बने सकारात्मक माहौल का असर घरेलू बाजार पर भी दिखाई दे रहा है।

# लोटस बेकरीज ने भारत में लॉन्च की 'बिस्कॉफ कुकी'

### कंपनी मोंडेलेज के साथ साझेदारी में बढ़ाएगी बाजार विस्तार

**नई दिल्ली**

बेल्जियम की बहुराष्ट्रीय स्नैक फूड कंपनी लोटस बेकरीज ने भारत में अपनी प्रसिद्ध 'बिस्कॉफ कुकी' पेश किया है। इस लॉन्च के लिए कंपनी ने मोंडेलेज के साथ साझेदारी की है। कंपनी के एक वेरिष्ठ अेधिकारी ने ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत आने वाले वर्षों में बिस्कॉफ के लिए शीर्ष तीन-चार बाजारों में शामिल हो सकता है। उन्होंने बताया कि बिस्कॉफ वर्तमान में दुनिया के 80 से अधिक देशों में बेची जाती है। बिस्कॉफ का सबसे बड़ा बाजार अमेरिका है, उसके बाद ब्रिटेन और फ्रांस का स्थान आता है। अेधिकारी ने कहा कि कंपनी की महत्वाकांक्षा है कि बिस्कॉफ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी कुकी ब्रांड बने, मोंडेलेज के ओरियो और चिप्स अहोय! के बाद। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की भागीदारी वैश्विक ब्रांड बनने के लिए अनिवार्य है। अेधिकारी ने स्वीकार किया कि भारत में खुदरा और वितरण प्रणाली जटिल है, इसलिए कंपनी अकेले बाजार पर विजय प्राप्त नहीं कर सकती। इसीलिए एक मजबूत स्थानीय साझेदार मोंडेलेज का समर्थन जरूरी था। मोंडेलेज भारत में बिस्कॉफ के लिए ओरियो जैसी रणनीति अपनाएगी। इसका मतलब है कि उत्पाद पारंपरिक और आधुनिक व्यापार दोनों में उपलब्ध होंगे, साथ ही ई-कॉमर्स चैनलों पर भी बिक्री की जाएगी। पैकिंग में बड़े पैक के साथ-साथ छोटे और किफायती पैक (10 रुपए से शुरू) भी शामिल होंगे।

# पहला टेस्ट : दक्षिण अफ्रीका को 159 पर समेटने के बाद भारतीय टीम ने बनाये 37/1

### –बुमराह ने लिए 5 विकेट

**कोलकाता (एजेंसी)।** तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की शानदार गेंदबाजी से भारतीय टीम ने यहां के ईडन गार्डन मैदान में शुक्रवार से शुरु हुए पहले टेस्ट में मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में 159 रनों पर समेटकर अपनी पकड़ बना ली है। भारतीय टीम ने इसके बाद पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहली पारी में एक विकेट पर 37 रन बना लिए थे। खराब रोशनी के कारण मैच करीब 20 मिनट पहले समाप्त हो गया। इस प्रकार भारतीय टीम पहली पारी के आधार पर अभी 122 रन पीछे है। दिन का खेल समाप्त होने के समय केएल राहुल 13 और वाशिंगटन सुंदर 6 रनों पर खेल रहे थे। भारतीय टीम का एकमात्र विकेट यशस्वी जायसवाल का गिरा। यशस्वी मार्को यानसन की गेंद पर अपना विकेट खो बैठे। वहीं इसे बाद राहुल और सुंदर ने खेल समाप्त होने तक कोई और नुकसान नहीं होने दिया। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों ने अच्छी गेंदबाजी करते हुए भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगाये रखा। केशव महाराज ने भी अपनी फिरकी से भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगाये रखा।

इससे पहले दक्षिण अफ्रीकी कप्तानी टेम्बा बावुमा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया है जो उन्हें भारी पड़ गया। टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी और 159 रन ही बना पायी। भारतीय टीम की ओर से मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने सबसे अधिक पांच विकेट लिए। बुमराह के अलावा मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव ने दो-दो विकेट लिए, जबकि अक्षर पटेल को एक विकेट मिला। वहीं दक्षिण अफ्रीका की ओर से एडेन मार्करम ने सबसे ज्यादा 31 रन बनाए, जबकि वियान मुल्डर ने 24, टॉनी डि जॉर्जी ने 24, रेयान रिक्लेटन ने 23, काइल वेरेने ने 16, सिमोन हार्मर ने 5, तेम्बा बावुमा ने 3 और कॉर्बिन बॉश ने 3 रन बनाए, जबकि ट्रिस्टन स्टब्स 15 रन बनाकर नाबाद रहे।

मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका ने लंच तक तीन विकेट पर 105 रन बनाये। लंच के समय वियान मुल्डर 22 और टोनी डि जोर्जी 15 रन बनाकर खेल रहे थे। मेहमान टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की पर और उसकी शुरुअत ठीक रही। एडेन मार्क्रम ने 31 और रियान रिकेल्टन ने 23 रन बनाकर पहले विकेट के लिए 57 रन जोड़े। भारतीय टीम की ओर से जसप्रीत बुमराह ने चार ओवर में 9 रन देकर दो जबकि कुलदीप यादव ने 7 ओवर में 24 रन देकर एक विकेट लिया। बुमराह ने दो ओवर के अंदर ही दोनों को आउट कर भारतीय टीम को मैच में वापसी करायी। कुलदीप ने कप्तान तेम्बा

बावुमा को केवल तीन रन पर आउट कर मेहमान टीम को करारा झटका दिया। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका ने चोटिल कागिसो रबाडा की जगह कोर्बिन बॉश को शामिल किया है जबकि भारतीय टीम ने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के अलावा स्पिनर ऑलराउंडर, अक्षर पटेल ओर कुलदीप यादव को अंतिम ग्यारह में उतरा है।

# लोह कीन यू पर उलटफेर भरी जीत, लक्ष्य सेन जापान मास्टर्स के सेमीफाइनल में पहुंचे

**कुमामोतो (जापान) (एजेंसी)।** शीर्ष भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने शुक्रवार को पूर्व विश्व चैंपियन सिंगापुर के लोह कीन यू पर उलटफेर भरी जीत दर्ज करते हुए कुमामोटो मास्टर्स जापान के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन और सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य ने 475,000 डॉलर इनामी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी लोह को 40 मिनट में 21-13, 21-17 से हराया।

लक्ष्य ने दोनों खिलाड़ियों के बीच 13 मुकाबलों में सातवीं जीत के साथ अपना दबदबा कायम किया। इस साल सितंबर में हांगकांग ओपन में उपविजेता रहे दुनिया के 15वें नंबर के इस खिलाड़ी के सामने अंतिम चार में जापान के छठे वरीय और दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी केंटा निशिमोतो की चुनौती होगी।

पिछले कुछ समय से संघर्ष कर रहे लक्ष्य ने इस दौरान अपने खेल में शानदार नियंत्रण दिखाकर दबदबा कायम किया। शुरुआती गेम में दोनों 4-4 से बराबरी पर थे, लेकिन लक्ष्य ने ब्रेक के समय 11-8 की बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद उन्होंने लगातार छह अंक हासिल किए और 18-9 की बढ़त बनाने के बाद आसानी से यह गेम अपने नाम कर लिया। लोह ने दूसरे गेम में अच्छी वापसी की और शुरुआत में सेन के साथ 9-9 की बराबरी पर रहे। भारतीय खिलाड़ी ने दबदबा कायम करते हुए स्कोर को 15-9 कर ली। सिंगापुर के खिलाड़ी ने अंतर को 17-18 कर दिया लेकिन लक्ष्य ने अपनी पकड़ बनाए रखते हुए गेम के साथ मुकाबला अपने नाम कर लिया।

# बुमराह ने बनाया रिकार्ड, सबसे ज्यादा बोल्ड आउट करने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज बने

**कोलकाता (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां पहले ही टेस्ट में एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। बुमराह ने पहली पारी में पांच विकेट लेकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। अब बुमराह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक बोल्ड आउट करने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। इस मामले में उन्होंने दिग्गज पूर्व स्पिनर आर अश्विन को पीछे छोड़ा है।

बुमराह के अब तक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 152 विकेट बोल्ड आउट करते हुए लिए हैं। ये किसी भारतीय गेंदबाज के तीसरे सबसे अधिक बोल्ड विकेट हैं। वहीं इस मामले में पहले नम्बर पर दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले हैं। उनके नाम अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक बोल्ड करने का रिकार्ड है। उन्होंने 186 विकेट बोल्ड लिए हैं। वहीं कपिल देव दूसरे नंबर पर हैं, उन्होंने 167 विकेट बोल्ड करते हुए लिए हैं। वहीं अश्विन 151 बोल्ड विकेट के साथ चौथे और रविंद्र जडेजा 145 बोल्ड विकेट लेकर पांचवें नंबर पर खिसक गये हैं। भारत में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी औसत के मामले में बुमराह पहले नंबर पर हैं।

17.12 - जसप्रीत बुमराह (56 विकेट)

18.38 - रिची बेनो (52 विकेट)

20.91 - रवींद्र जडेजा (246 विकेट)

21.57 - रवि अश्विन (383 विकेट)

22.10 - मोहम्मद शमी (76 विकेट)

22.23 - कुलदीप यादव (51 विकेट)

# भारत की नंबर-3 पोजिशन पर फिर विवाद, पूर्व क्रिकेटर ने साई सुदर्शन को बाहर करने पर बोला हमला

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच कोलकाता में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच से ठीक पहले टीम प्रबंधन ने बल्लेबाज साई सुदर्शन को अंतिम एकादश से बाहर कर दिया। इस फैसले ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर डोड्डा गणेश की कड़ी प्रतिक्रिया को जन्म दिया। उन्होंने नंबर-3 जैसे महत्वपूर्ण स्थान पर लगातार बदलावों को टीम की 'बिना सोच-समझ की रणनीति' बताया। 2023 में चेतेश्वर पुजारा को हटाने के बाद से भारत इस जगह पर कई खिलाड़ियों को आजमा चुका है, लेकिन स्थिरता अब भी दूर है। गणेश ने चार स्पिनरों को खिलाने की रणनीति पर भी सवाल उठाए।

### नंबर-3 के लिए वाशिंगटन सुंदर का चयन, सुदर्शन को बाहर

भारत ने पहले टेस्ट के लिए नंबर-3 बल्लेबाज के रूप में साई सुदर्शन की जगह वाशिंगटन सुंदर को मौका दिया है। सुदर्शन ने अब तक पाँच टेस्ट खेले हैं और नौ पारियों में दो अर्धशतकों के साथ 273 रन बनाए हैं। दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ हाल में खेले गए दो अनौपचारिक टेस्ट में भी उन्होंने 32, 12, 17 और 23 रन की पारियां खेली थीं। उनके प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए कई विशेषज्ञों का मानना था कि उन्हें एक और मौका मिलना चाहिए था। लेकिन टीम प्रबंधन ने अचानक बदलाव करते हुए सुंदर पर भरोसा जताया, जिससे विवाद खड़ा हो गया।

### 'नंबर-3 पर बिना विजन म्यूजिकल चेयर खेल रहे हैं'

पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज डोड्डा गणेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर टीम प्रबंधन के इस फैसले की जमकर आलोचना की। उन्होंने लिखा, 'नंबर-3 टेस्ट टीम में सबसे अहम जगह है। लेकिन भारत बिना किसी विजन के लगातार खिलाड़ियों को बदल रहा है। विश्वास नहीं हो रहा कि टेस्ट स्तर पर ऐसा हो रहा है। साई सुदर्शन को यह टेस्ट खेलना चाहिए था।' गणेश के अनुसार इस स्थान पर भारत की निरंतरता की कमी विदेशी परिस्थितियों में टीम की बल्लेबाज़ी को कमजोर बनाती है।

### चार स्पिनर खिलाने पर भी उठाए सवाल

भारत ने कोलकाता टेस्ट में रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर जैसे चार स्पिनरों के साथ उतरने का फैसला किया है। गणेश इस फैसले से भी असहमत दिखे। उनका कहना था, ÷पिच कितनी भी स्पिन-अनुकूल क्यों न हो, चार स्पिनर खिलाने की कोई जरूरत नहीं थी।' गणेश के अनुसार, एक अतिरिक्त विशेषज्ञ बल्लेबाज टीम को ज्यादा मजबूती देता, खासकर जब युवा खिलाड़ियों को तैयार करने की बात हो।

### पुजारा के हटने के बाद नंबर-3 की मुश्किलें जारी

2023 WTC फाइनल में हार के बाद भारत ने चेतेश्वर पुजारा को टीम से बाहर किया और उसके बाद से इस स्थान पर लगातार प्रयोग किए हैं। केएल राहुल, शुभमन गिल, देवदत्त पडिक्कल और करुण नायर जैसे बल्लेबाज़ों को आजमाया गया, लेकिन नियमित सफलता सिर्फ गिल के घरेलू प्रदर्शन में ही देखी गई। विदेशी पिचों पर यह स्लॉट अब भी भारत की सबसे बड़ी कमजोरी बना हुआ है।

# कुलदीप 150 विकेट लेने वाले बाएं हाथ के तीसरे गेंदबाज बने

कोलकाता । भारतीय टीम के स्पिनर कुलदीप यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में खेले खेले जा रहे पहले टेस्ट के पहले ही दिन अपने 150 विकेट पूरे किये । कुलदीप ने कप्तान तेम्बा बावुमा को 3 रनों पर आउट करने के साथ ही ये उपलब्धि हासिल की है । कुलदीप ने अपने 150 विकेट 87 पारियों में हासिल किये । कुलदीप ने दक्षिण अफ्रीकी कप्तान तेम्बा बावुमा को 3 रनों पर ही ध्रुव जुरेल के हाथों कैच कराकर अपने 150 विकेट पूरे किये । कुलदीप भारत की ओर से बाएं हाथ के गेंदबाज के तौर पर 150 से अधिक अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज हैं । उनसे पहले ये उपलब्धि भारतीय टीम की ओर से रविंद्र जडेजा और जहीर खान ने हासिल की थी । इसके अलावा कुलदीप भारत में 150 विकेट हासिल करने वाले दूसरे बतौर बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज हैं । कुलदीप ने अपनी ही धरती पर 150 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने का कारनामा बाएं हाथ के गेंदबाज के तौर पर सबसे तेजी से किया है । कुलदीप ने केवल 87 पारी में ये आंकड़ा हासिल किया है । इससे पहले जहीर खान ने 135 पारी और जडेजा ने 200 पारी में 150 अंतरराष्ट्रीय विकेट बाएं हाथ के गेंदबाज़ के तौर पर लिए थे ।

# दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज से वापसी कर सकते हैं पांड्या

नई दिल्ली । पिछले काफी समय से चोटिल होने के कारण भारतीय टीम से बाहर चल हरे ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अगले महीने होने वाली टी20 सीरीज से वापसी की संभावना है । पांड्या एशिया कप 2025 के फाइनल से पहले सुपर 4 के मैच में चोटिल होने के बाद से टीम से बाहर हैं। इसी कारण वह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी नहीं गए थे। अब वह फिट हो गये हैं और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलने की तैयारी कर रहे हैं । इससे पहले वह घरेलू क्रिकेट में भी फिटनेस साबित करने के लिए खेलेंगे । एक रिपोर्ट के अनुसार इसी महीने के अंत में वह बड़ौदा की ओर से सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेलते नजर आ सकते हैं । पांड्या मैच फिटनेस हासिल करने के बेहद करीब हैं । वह इस समय बेंगलुरु स्थिति बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अभ्यास कर रहे हैं । अगर सब कुछ ठीक रहा, तो वह घरेलू टी20 टूर्नामेंट के पहले मैच में ही खेलते हुए नजर आ सकते हैं । वहीं अगर ऐसा नहीं होता है तो भी दूसरे टी20 में उनकी वापसी तय है । । बड़ौदा का पहला मैच 26 नवंबर को और दूसरा मैच 28 नवंबर को खेला जाएगा । ऐसे में समझा जा सकता है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 30 नवंबर से शुरू हो रही तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में वहीं नहीं खेलेंगे, क्योंकि उनको टी20 फॉर्मेट में ही वापसी करनी होगी । 9 दिसंबर से साउथ अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज है, जिसके लिए पांड्या का टीम में चयन हो सकता है और वे इस सीरीज में खेलते हुए नजर आ सकते हैं ।

# विश्व कप के लिए जूनियर पुरुष हॉकी टीम घोषित, रोहित करेंगे कप्तानी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ड्रैग-फ्लिकर रोहित को तमिलनाडु में 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक होने वाले एफआईएच जूनियर विश्व कप के लिए शुक्रवार को घोषित भारत की 20 सदस्यीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम का कप्तान बनाया गया। दिग्गज पीआर श्रीजेश की कोचिंग में अभ्यास कर रही भारतीय टीम को पूल बी में चिली, स्विट्जरलैंड और ओमान के साथ रखा गया है। ओमान को पाकिस्तान द्वारा सुरक्षा चिंताओं का हवाला देकर हटने के बाद विश्व कप में शामिल किया गया है।

कोच श्रीजेश ने कहा, 'हमने काफी जांच परख कर टीम का चयन किया है। इसके अधिकांश खिलाड़ियों को इस बड़े टूर्नामेंट में खेलने का अनुभव है। चयन के मानदंडों में उनकी शारीरिक क्षमता, कौशल और टीम-प्ले शामिल थे। हमने हालांकि सबसे ज्यादा ध्यान दबाव में प्रदर्शन करने की उनकी मानसिक क्षमता पर दिया।'

भारतीय टीम की कमान डिफेंडर रोहित

संभालेंगे, जिन्होंने हाल ही में मलेशिया में हुए सुल्तान जोहोर कप में अच्छा प्रदर्शन किया था और टीम ने रजत पदक जीता था। बिक्रमजीत सिंह और प्रिंसदीप सिंह गोलकीपर के रूप में टीम में चुने गए हैं। भारतीय जूनियर टीम को हालांकि अरिजीत सिंह हुंदल जैसे अनुभवी खिलाड़ी की कमी खलेगी, जो कंधे की चोट के कारण विश्व कप नहीं खेल पाएंगे।

श्रीजेश ने कहा, 'जूनियर विश्व कप की तैयारी के दौरान हमें अंतरराष्ट्रीय मैचों में अच्छा अनुभव मिला है। हमने सीनियर भारतीय टीम के साथ भी कई मैच खेले हैं क्योंकि हम बेंगलुरु स्थित साई (भारतीय खेल प्राधिकरण) के एक ही परिसर में हैं।' उन्होंने कहा, ''जब खिलाड़ी अपने सीनियर साथियों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो उनका आत्मविश्वास अपने आप बढ़ जाता है। कुल मिलाकर हम घरेलू दर्शकों के सामने अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं।'

### भारतीय जूनियर पुरुष टीम

**गोलकीपर :** बिक्रमजीत सिंह, प्रिंसदीप सिंह

**डिफेंडर :** रोहित, आमिर अली, अनमोल एक्का, रवनीत सिंह, तालेम प्रियोबार्ता, सुनील पलाक्षप्पा बेन्नूर, शारदानंद तिवारी

**मिडफील्डर :** अंकित पाल, रोहित कुल्लू, एड्रोहित एक्का, थौनाओजाम इंगलेम्बा लुवांग, मनमीत सिंह, रोशन कुजूर

**फॉरवर्ड :** सौरभ आनंद कुशवाह, अर्शदीप सिंह, अजीत यादव, गुरजोत सिंह, दिलराज सिंह

# रचिन और कॉनवे सहित कई खिलाड़ियों को रिलीज करेगी सीएसके

चेन्नई । आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पास इस बार नीलामी में 30 करोड़ रुपये से अधिक बचे रहेंगे जिससे वह कई खिलाड़ियों को खरीद सकेगी । सीएसके प्रबंधन का लक्ष्य ऐसे में एक ऐसी टीम बनना रहेगा जो जीत हासिल कर सके । सीएसके के पास मोटी रकम इसलिए बच रही है क्योंकि वह कई स्टार खिलाड़ियों को रिलीज करने जा रही है । इसमें न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र और डेवोन कॉनवे भी शामिल है हालांकि मथीशा पथिराना टीम में बने रहेंगे । इसके अलावा नाथन एलिस को भी रिटेन करेगी । एक रिपोर्ट के अनुसार सीएसके के पास नीलामी में 30 करोड़ रुपये का पर्स हो सकता है । रचिन और कॉनवे के अलावा कई भारतीय खिलाड़ियों को टीम रिलीज करेगी जिसके उसके पास काफी रकम बचेगी । इसका इस्तेमाल टीम का सहयोगी स्टाफ नीलामी में कर सकता है । एलिस को ट्रेड के जरिए कई टीमों ने मांगा है, लेकिन सीएसके ने सीधे तौर पर मना कर दिया है । वहीं दीपक हुड्डा और राहुल त्रिपाठी को भी टीम रिलीज कर सकती है । जडेजा और सैम करन की ट्रेड डील राजस्थान रॉयल्स के साथ हो सकती है, जहां से संजू सैमसन सीएसके में आ सकते हैं । विजय शंकर को भी सीएसके रिलीज कर सकती है । इस तरह सीएसके पास काफी रकम रहेगी । युवा खिलाड़ियों के साथ फ्रेंचाइजी बने रहना पसंद करेगी । वहीं महेन्द्र सिं धोनी भी इस सीजन खेलने वाले हैं तो विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी वही संभालेंगे । सीएसके उन खिलाड़ियों को शामिल कर सकती है, जो घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और जो खिलाड़ी विदेशी हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में धमाल मचा रहे हैं । धोनी का संभावित तौर पर यह आखिरी सीजन होगा । ऐसे में फ्रेंचाइजी चाहेगी कि एक दमदार टीम बनाई जाए ।

# रेड कार्ड मिलने के बाद रोनाल्डो पर विश्व कप मैच में प्रतिबंध का खतरा

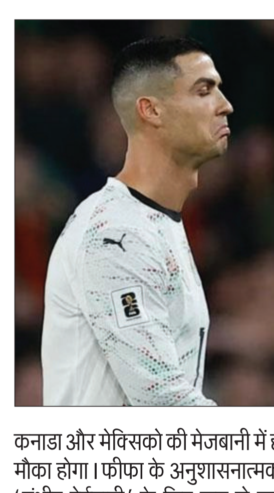

डबलिन । पुर्तगाल अगर उम्मीद के मुताबिक 2026 विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लेता है तो क्रिस्टियानो रोनाल्डो पर शुरुआती मैचों से प्रतिबंध लगने का खतरा मंडरा रहा है । इस फुटबॉल सुपरस्टार को बृहस्पतिवार को डबलिन में खेले गए क्वालीफाइंग मैच के दूसरे हाफ में आयरलैंड के डिफेंडर दारा ओ'शे को कोहनी मारने के कारण मैदान से बाहर भेज दिया गया था । इस मैच में पुर्तगाल को 2-0 से हार का सामना करना पड़ा था । पुर्तगाल और आर्मेनिया के बीच रविवार को होने वाले मैच को रोनाल्डो नहीं खेल सकेंगे । इस मैच में जीत से पुर्तगाल के पास अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको की मेजबानी में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने का मौका होगा । फीफा के अनुशासनात्मक नियमों के अनुसार, इसके जज से समूह को 'गंभीर बेईमानी' के लिए कम से कम दो मैचों का प्रतिबंध लगाना आवश्यक है । 'हिंसक आचरण' के लिए कम से कम तीन मैचों का प्रतिबंध शामिल है । कोहनी मारने को अगर हिंसक माना गया तो रोनाल्डो पर तीन मैचों का प्रतिबंध लग सकता है । फीफा का प्रतिबंध प्रतिस्पर्धी मैचों पर लागू होगा और टूर्नामेंट से पहले के अभ्यास मैचों में नहीं लगाया जा सकता । अवीवा स्टेडियम में लगभग एक घंटे के खेल के बाद जब आयरलैंड 2-0 की आश्चर्यजनक बढ़त बनाए हुए था तब रोनाल्डो ने अपनी दाहिनी कोहनी ओ'शे की पीठ पर मार दी । रेफरी ने पहले पीला कार्ड दिखाया, लेकिन वीडियो समीक्षा के बाद उसे रेड कार्ड में बदल दिया । आयरलैंड के प्रशंसकों द्वारा हूटिंग किये जाने के बाद रोनाल्डो ने मैदान से बाहर जाते समय कुछ पल के लिए रुके और प्रशंसकों की ओर देखा । उन्होंने कटाक्ष भरे लहजे में ताली बजाई और व्यंग्यात्मक अंदाज में दोनों हाथों के अंगूठे दिखा । रोनाल्डो फरवरी में 41 साल के हो जायेंगे और उनका लक्ष्य रिकॉर्ड छठे विश्व कप टूर्नामेंट में खेलने का है ।

# भारतीय रिकर्व पुरुष टीम ने एशियाई स्वर्ण पदक के 18 साल के इंतजार को किया खत्म

**ढाका (एजेंसी)।** भारतीय पुरुष रिकर्व टीम ने हाल के दिनों में अपना सबसे रोमांचक प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को दक्षिण कोरिया को एक बेहद करीबी शूट-ऑफ में हराकर 18 साल में पहली बार एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।

यशदीप भोगे, अतनु दास और राहुल की तिकड़ी ने 2-4 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए सेओ मिंगी, किम येचन और जंग जिहो की कोरिया की दूसरी श्रेणी की टीम पर 5-4 से नाटकीय जीत दर्ज की और 2009 से इस प्रतियोगिता पर कोरिया के दबदबे को खत्म किया। दोनों टीमों ने शूट-ऑफ में 29 अंक बनाए लेकिन दो बार के ओलंपियन दास ने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए 10 अंक वाला निशाना साधा जो कोरिया के तीरंदाज के निशाने के मुकाबले केंद्र से अधिक करीब था।

व्यक्तिगत स्पर्धाओं में जल्दी बाहर होने वाले दास के दबाव में शानदार खेले भारत ने 2007 के बाद से एशियाई चैंपियनशिप पुरुष टीम में पहला स्वर्ण पदक जीता। इस परिणाम के साथ चैंपियनशिप में भारत के पदकों की संख्या चार स्वर्ण और दो रजत हो गई। कंपाउंड टीम ने बृहस्पतिवार को तीन स्वर्ण और दो रजत पदक जीत लिए थे। भारत के कंपाउंड तीरंदाजों का प्रदर्शन शानदार रहा है जिसमें ज्योति सुरेखा वेन्नम ने टीम और व्यक्तिगत दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर यादगार दोहरा प्रदर्शन किया।

यह रिकर्व पुरुष टीम के कोच राहुल बनर्जी के लिए बेहद भावुक क्षण था जो 2007 की चैंपियन टीम के सदस्य थे। तब स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम में उनके साथ मंगल सिंह चंपिया और जयंत तालुकदार भी थे। खिलाड़ी के तौर पर चैंपियन बनने के अठारह साल बाद 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता ने दूसरी जीत हासिल की। उन्होंने कहा, 'एक कोच के तौर पर यह वाकई संतोषजनक है क्योंकि हमने कोरिया को हराया। मैं और अतनु कल रात इस बारे में चर्चा कर रहे थे कि हमने लंबे समय से कोई स्वर्ण पदक नहीं जीता था और आखिरकार यह बात पूरी हो गई। अगला लक्ष्य निश्चित रूप से एशियाई खेल हैं।'

कोरिया भले ही अपने दिग्गज ओलंपिक चैंपियन किम वूजिन के बिना आया हो, लेकिन टीम में बेहतरीन प्रतिभाएं मौजूद हैं। सेओ मिंगी राष्ट्रीय ट्रायल में शीर्ष पर रहे, 20 वर्षीय किम येचन चेंगदू विश्वविद्यालय खेलों की स्वर्ण पदक विजेता हैं। इस तिकड़ी में प्रतिभाशाली जंग जिहो भी शामिल है। बनर्जी ने कहा, 'वे उनके शीर्ष तीन तीरंदाज नहीं हैं, लेकिन विश्व चैंपियनशिप के बाद उन्होंने एशियाई चैंपियनशिप के लिए ट्रायल लिया और ये चुने गए। जहां तक मेरी जानकारी है वे उनके शीर्ष क्रम में चौथे, पांचवें और छठे नंबर के तीरंदाज हैं।'

फाइनल मुकाबला उतार-चढ़ाव से भरा रहा। कोरिया ने पहले सेट में आठ के एक निशाने के बाद 56 अंकों से शुरुआत की और भारत ने उसे माकुल जवाब दिया। भारत दूसरे सेट में एक निशाना सात अंक का लगाने के बावजूद 56 अंक बनाकर फिर से कोरिया की बराबरी करने में सफल रहा। कोरिया ने तीसरे सेट में कोरिया ने 57 अंकों के साथ बढ़त हासिल की लेकिन भारत ने चौथे सेट में लगातार 10 अंकों

वाले निशाने से शुरुआत कर दबाव बना लिया। टीम इस सेट को 57-53 से जीतने में सफल रही। स्कोर 4-4 से बराबर होने के बाद मुकाबला शूट ऑफ में गया जहां टीम ने शानदार निशाने के साथ पिछले दो दशक के खिताबी सूखे को खत्म किया।

# न्यूजीलैंड के दिग्गज क्रिकेटर केकेआर के गेंदबाजी कोच बने

कोलकाता - कोलकाता नाइट राइडर्स ने शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के आगामी सत्र के लिए न्यूजीलैंड के दिग्गज क्रिकेटर टिम साउथी को टीम का गेंदबाजी कोच नियुक्त करने की घोषणा की । साउथी ने 107 टेस्ट मैचों, 161 वनडे और 126 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया और 776 विकेट लिए हैं । साउथी अपने खेल करियर के दौरान IPL में कोलकाता नाइट राइडर्स टीम (2021, 2022, 2023) का हिस्सा रहे हैं । न्यूजीलैंड के इस खिलाड़ी ने कहा, 'KKR मुझे हमेशा घर जैसा लगा है और इस नयी भूमिका में वापसी करना मेरे लिए सम्मान की बात है । इस फ्रैंचाइज़ी की संस्कृति अद्भुत है, प्रशंसक जुनूनी हैं और खिलाड़ियों का एक बेहतरीन समूह है । मैं गेंदबाजों के साथ मिलकर

काम करने और IPL 2026 में टीम को सफलता दिलाने में मदद करने के लिए उत्सुक हूं ।' कोलकाता नाइट राइडर्स के सीईओ वेंकी मैसूर ने कहा, 'हमें कोच के तौर पर टिम साउथी का केकेआर परिवार में स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है । टिम का अनुभव और तकनीकी विशेषज्ञता हमारी गेंदबाजी इकाई को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी । उनके नेतृत्व कौशल और शांतचित्त रवैया उन्हें हमारे युवा गेंदबाजों के लिए एक आदर्श मार्गदर्शक बनाते हैं ।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## संक्षिप्त समाचार

### बांग्लादेश में फिर भड़की हिंसा, जगह-जगह धमाके

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को लेकर वहां की अदालत फैसला सुनाने वाली है। इससे ठीक पहले बीते दो दिनों से देश में आगजनी और क्रूड बम हमलों से तनाव का माहौल है। इन हिंसक घटनाओं ने 2024 के अशांत छात्र विरोध प्रदर्शनों की यादें ताजा कर दी हैं, जिनमें 500 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। गुरुवार को बांग्लादेश की राजधानी ढाका एक किले में तब्दील हो गई है, क्योंकि शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग ने 'ढाका लॉकडाउन' का आह्वान किया है। पुलिस और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश को बड़ी संख्या में तैनात किया गया है। ढाका के प्रवेश बिंदुओं पर कई चौकियां स्थापित की गई हैं और सार्वजनिक वाहनों की गहनता से जांच की जा रही है। सुरक्षा व्यवस्था अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के आसपास भी कड़ी कर दी गई है। आपको बता दें कि यही अदालत शेख हसीना और उनके शीर्ष सहयोगियों के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर फैसला सुनाने की तारीख तय करेगा। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पिछले साल अगस्त में भारत में शरण लेने आई थीं। उनपर हत्या और साजिश सहित दर्जनों आरोप हैं। राजनीतिक तनाव ने ढाका में जनजीवन ठप कर दिया है और आगजनी तथा क्रूड बम हमलों की घटनाएं राजधानी से बाहर गाजीपुर और ब्राह्मणबारिया जैसे शहरों तक फैल गई हैं। 'द डेली स्टार' की एक रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने हिंसा के लिए अवामी लीग समर्थकों को जिम्मेदार ठहराया है। ब्राह्मणबारिया में ग्रामीण बैंक की एक शाखा को आग लगा दी गई, जिससे फर्नीचर और दस्तावेज पूरी तरह नष्ट हो गए। आपको बता दें कि बांग्लादेश के इस ग्रामीण बैंक की स्थापना मुहम्मद यूनुस ने 1983 में गरीबों को माइक्रो-क्रेडिट (सूक्ष्म ऋण) प्रदान करने के लिए की थी। यूनुस वर्तमान में बांग्लादेश के अंतरिम प्रमुख हैं।

### 'तुम्हारी कितनी बीवियां हैं?' जब व्हाइट हाउस में ट्रंप ने सीरिया के राष्ट्रपति से पूछा चौंकाने वाला सवाल

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** एक अभूतपूर्व कूटनीतिक घटना के तहत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को व्हाइट हाउस में सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल शरा का स्वागत किया। अहमद अल शरा को एक समय अमेरिका ने आंतकी घोषित किया था और उन पर 1 करोड़ डॉलर का इनाम रखा था। अब उन्हीं अहमद अल शरा के नाम को न सिर्फ अमेरिका ने आतंकी सूची से हटाया बल्कि व्हाइट हाउस में बतौर आधिकारिक मेहमान उनका स्वागत भी किया। कुछ साल पहले तक इस बात की कल्पना भी मुश्किल थी। व्हाइट हाउस में मुलाकात के दौरान कुछ ऐसा हुआ, जिसकी खूब चर्चा हुई। दरअसल ट्रंप ने सीरियाई राष्ट्रपति को एक परफ्यूम गिफ्ट किया। इस दौरान ट्रंप ने बाकायदा परफ्यूम खोलकर उसे सीरियाई राष्ट्रपति को लगाया। इस दौरान ट्रंप ने कहा कि यह बेहतरीन परफ्यूम है। एक तुम्हारे लिए हैं और दूसरा तुम्हारी पत्नी के लिए। इसके बाद ट्रंप ने सीरियाई राष्ट्रपति से मजाकिया अंदाज में पूछा कि आपकी कितनी बीवियां हैं? इस पर सीरियाई राष्ट्रपति ने हंसते हुए एक बताया। इसके बाद वहां मौजूद सभी लोग हंस पड़े। व्हाइट हाउस में दोनों नेताओं के बीच हुई यह मुलाकात इस साल हुई दूसरी मुलाकात है। इससे पहले मई 2025 में सऊदी अरब में दोनों नेताओं के बीच बैठक हुई थी। वहीं किसी भी सीरियाई राष्ट्रपति का यह पहला अमेरिकी दौरा है। अल शरा पिछले साल दिसंबर में तख्तापलट कर सीरिया के राष्ट्रपति पद पर काबिज हुए थे।

### कनाडा में मिले जयशंकर-रुबियो, मुलाकात के बाद भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से जुड़ी उम्मीद बढ़ी

**टोरंटो, एजेंसी।** विदेश मंत्री एस जयशंकर अभी कनाडा के दौरे पर हैं। जहां उन्होंने बुधवार को अपने अमेरिकी समकक्ष मार्को रुबियो से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच बातचीत का मुख्य विषय व्यापार और सप्लाई चेन से जुड़े मुद्दे रहे। यह बैठक कनाडा के नियाग्रा क्षेत्र में जी7 विदेश मंत्रियों की बैठक के मौके पर हुई। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कहा था कि अमेरिका और भारत के बीच न्यायसंगत व्यापार समझौता लगभग तैयार है। साथ ही वह जल्द ही भारत पर लगाए गए उच्च शुल्क (टैरिफ) को कम करेंगे। पिछले कुछ महीनों में भारत-अमेरिका के रिश्तों में तनाव बढ़ा है, खासकर तब जब ट्रंप ने भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत तक का टैरिफ और रूसी तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाया था। जयशंकर ने मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पर लिखा कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से अच्छी बातचीत हुई। उन्होंने दिल्ली धमाके में मारे गए लोगों के लिए संवेदना जताई। हमने द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की, खासकर व्यापार और सप्लाई चेन पर। साथ ही यूक्रेन, मध्य पूर्व और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की स्थिति पर भी विचार साझा किए। यह जयशंकर और रुबियो की पिछले दो हफ्तों में दूसरी मुलाकात थी।

# पाक में चलेगी आसिम मुनीर की मनमानी, शहबाज ने सुप्रीम कोर्ट से छीनी शक्ति, भड़के इमरान

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान की संसद ने बुधवार को एक ऐतिहासिक और विवादास्पद संवैधानिक संशोधन पारित किया जिसके तहत सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर को व्यापक नई शक्तियां मिलेंगी और सुप्रीम कोर्ट के अधिकार को सीमित कर दिया गया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस संशोधन के तहत जनरल आसिम मुनीर को 'चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस' नामक एक नए शीर्ष पद पर नियुक्त किया जाएगा। इस पद के माध्यम से उन्हें थलसेना, नौसेना और वायुसेना - तीनों सेनाओं की औपचारिक कमान मिल जाएगी। कानून यह भी सुनिश्चित करता है कि मुनीर अपने कार्यकाल के बाद भी रैंक बरकरार रखेंगे और उन्हें आजीवन कानूनी प्रतिरक्षा प्राप्त रहेगी।

यह संशोधन विधेयक संसद के निचले सदन में हंगामे के बीच दो-तिहाई बहुमत से पारित किया गया। कुल 234 वोट पक्ष में और केवल चार विरोध में पड़े। संसद सत्र में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, नवाज शरीफ और बिलावल भुट्टो ज़रदारी मौजूद थे। विधेयक अब राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की मंजूरी के लिए भेजा गया है, जिनके हस्ताक्षर की उम्मीद बुधवार रात तक की जा रही है।

इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ़ ने सत्र का बहिष्कार किया और विधेयक की प्रतियां फाड़कर विरोध जताया। पीटीआई अध्यक्ष गोहर अली खान ने आरोप लगाया कि सरकार एक और विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग बना रही है और कहा, 'इस संशोधन के पारित होने के बाद लोकतंत्र केवल नाम का रह जाएगा।

विपक्षी गठबंधन तहरीक तहफ़्फ़ुज-ए-आइन-ए-पाकिस्तान ने इस संशोधन के खिलाफ जन आंदोलन का ऐलान किया था, लेकिन फिलहाल उसका विरोध संसद और सार्वजनिक बयानों तक सीमित है।

नए कानून के तहत राष्ट्रपति अब प्रधानमंत्री की सलाह पर सेना प्रमुख और चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस दोनों की नियुक्ति करेंगे। जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमिटी का पद नवंबर 2025 में समाप्त कर दिया जाएगा। सरकार को अब फील्ड मार्शल, मार्शल ऑफ द एयर फोर्स और एडमिरल ऑफ द फ्लीट जैसे आजीवन मानद सैन्य पद प्रदान करने की भी शक्ति होगी।

साथ ही संशोधन में 'फेडरल कॉन्स्टिट्यूशनल कोर्ट' की स्थापना का भी प्रावधान है, जो संवैधानिक मामलों की व्याख्या करेगी, जबकि सुप्रीम कोर्ट की भूमिका नागरिक और आपराधिक मामलों तक सीमित रहेगी। कानून मंत्री आजम नजीर तारड़ ने संशोधन का बचाव करते हुए कहा कि यह विकास की एक स्वाभाविक प्रक्रिया है जिसे देशभर के विधि विशेषज्ञों से विचार-विमर्श के बाद तैयार किया गया है। वहीं, विपक्ष का कहना है कि यह कदम सैन्य प्रभाव को बढ़ाने और न्यायपालिका को कमजोर करने की दिशा में एक और बड़ा कदम है।

**आसिम मुनीर की तारीफ में बिछे शहबाज :** जहां एक तरफ बिल की कड़ी आलोचना हो रही है वहीं, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस संशोधन को राष्ट्रीय एकता की दिशा में एक कदम बताया है। शरीफ ने इस मौके पर आसिम मुनीर को देश का हीरो भी बताया। शरीफ ने कहा, 'इसमें क्या गलत है? देश अपने हीरो का सम्मान करते हैं। हम जानते हैं कि अपने नायकों के प्रति सम्मान कैसे दिखाया जाए।'

**आर्मी के हाथों में परमाणु कमांड :** 27वें संविधान संशोधन का एक बहुत खास हिस्सा है नेशनल स्ट्रैटजिक कमांड (एनएससी) का गठन। यह कमांड पाकिस्तान के परमाणु हथियारों और मिसाइल सिस्टम की निगरानी और नियंत्रण करेगी।

अब तक यह जिम्मेदारी नेशनल कमांड अथॉरिटी के पास थी, जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते थे, लेकिन अब से एनएससी के पास इसकी जिम्मेदारी हो जाएगी। एनएससी का कमांडर भले ही प्रधानमंत्री की मंजूरी से नियुक्त होगा, लेकिन यह नियुक्ति सेना प्रमुख की सिफारिश पर ही होगी। सबसे जरूरी यह पद सिर्फ आर्मी के अफसर को ही दिया जाएगा। इससे देश के परमाणु हथियारों का नियंत्रण अब पूरी तरह सेना के हाथ में चला जाएगा।

**कोर्ट में जजों की नियुक्ति सरकार के हाथों :** इस बिल में आठ नए संशोधन जोड़े गए हैं, जो सीनेट के पहले मंजूर संस्करण का हिस्सा नहीं थे। सबसे बड़ी बदलाव न्यायपालिका से जुड़ी है। अब सभी संवैधानिक मामले सुप्रीम कोर्ट से हटाकर 'फेडरल कांस्टीट्यूशनल कोर्ट' में बदल जाएंगे, जिसके जजों की नियुक्ति सरकार करेगी। हाल के वर्षों में सुप्रीम कोर्ट ने कई सरकारी नीतियों को रोका था और प्रधानमंत्रियों को पद से हटाया था, जिसे देखते हुए यह कदम उठाया गया है।

## अमेरिका में जैविक सामग्री तस्करी मामले में चीनी वैज्ञानिक दोषी, सजा पूरी होने के बाद होगा निर्वासन

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के मिशिगन में जैविक सामग्री की तस्करी के मामले में गिरफ्तार एक चीनी वैज्ञानिक ने बुधवार को अदालत में अपना अपराध कबूल कर लिया। हालांकि अदालत ने उसे पहले से जेल में बिताए पांच महीने की सजा को ही अंतिम माना और अब उसे रिहा कर चीन वापस भेजा जाएगा। 33 वर्षीय यूनकिंग जियान, जो यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन की एक लैब में अस्थायी शोधकर्ता के रूप में काम कर रही थीं, को जून 2024 में गिरफ्तार किया गया था। उन पर आरोप था कि उन्होंने अपने प्रेमी जुनयोंग लियू के साथ मिलकर अमेरिका में एक खतरनाक फफूंदी (फंगस) लाने की साजिश रची थी।

यह फफूंदी फ्यूजेरियम ग्रामिनेरम नाम के एक रोगजनक है, जो गेहूं, जौ, मक्का और चावल जैसी फसलों पर हमला कर सकती है और उन्हें बर्बाद कर सकती है। यह फफूंदी अमेरिका के कुछ इलाकों में मौसम और फसल की परिस्थितियों पर निर्भर करते हुए पहले से मौजूद होती है, लेकिन इसे विदेश से बिना सरकारी अनुमति लाना कानूनन अपराध है।

**गंभीर नुकसान की आशंका थी- सरकारी वकील :** वहीं अमेरिकी सरकारी वकील माइकल मार्टिन ने अदालत में कहा कि इस कृत्य से 'गंभीर नुकसान' की आशंका थी, हालांकि उन्होंने विस्तार

से यह नहीं बताया कि नुकसान कैसे हो सकता था। उन्होंने कहा, 'मेरे पास यह सबूत नहीं है कि उसने बुरी नीयत से यह किया, लेकिन यह भी सबूत नहीं है कि उसने मानवता के भले के लिए किया।' मामले की संघीय न्यायाधीश सुसान डेकलर्क ने इस मामले को बहुत अजीब बताया और कहा कि आरोपी एक 'बेहद योग्य शोधकर्ता' हैं। इस मामले में सरकारी वकील ने जहां दो साल की सजा की मांग की थी, वहीं जज ने केवल पांच महीने की सजा दी, जो जियान पहले ही जेल में काट चुकी थीं। यूनकिंग जियान को अदालत में जंजीरों में पेश किया गया, उन्होंने अदालत से माफी मांगी और कहा कि वह दबाव में थीं। अपने लिखित बयान में उन्होंने लिखा, 'मैंने नियमों का पालन नहीं किया क्योंकि मुझ पर शोध को आगे बढ़ाने और परिणाम देने का दबाव था। मेरा उद्देश्य किसी को नुकसान पहुंचाना नहीं था, बल्कि फसलों को बीमारियों से बचाने के तरीकों पर काम करना था।

## म्यांमार की वायुसेना में रूस और चीन के विमान-हेलिकॉप्टर्स हुए शामिल, अब अभियान तेज करेगी सेना?

**बैंकॉक, एजेंसी।** म्यांमार ने अपनी वायुसेना में रूस के हेलिकॉप्टर और चीन के विमान शामिल किए हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है, जब ये दोनों देश अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद म्यांमार के सैन्य शासन को हथियार और उपकरण मुहैया करा रहे हैं, ताकि देश में जारी खूनी गृहयुद्ध को समाप्त किया जा सके।

**प्रतिबंधों के बावजूद हथियार मुहैया करा रहे चीन-रूस :** अमेरिका, यूरोपीय संघ और अन्य देशों ने म्यांमार पर प्रतिबंध लगाए हैं, जिनमें हथियारों की बिक्री पर रोक भी शामिल है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, रूस और चीन लगातार म्यांमार की सेना को सैकड़ों मिलियन डॉलर मूल्य के हथियार और उपकरण दे रहे हैं।

**सीमा सुरक्षा सुनिश्चित करने की क्षमता बढ़ाएंगे विमान-हेलिकॉप्टस: सेना :** सेना की ओर से जारी तस्वीरों में तीन रूसी एमआई-38टी हेलिकॉप्टर और दो चीनी वाई-8 विमान दिखाए गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इनका इस्तेमाल पर्वतीय इलाकों में सैनिकों को भेजने के अभियानों में किया जाएगा। सेना ने कहा कि परिवहन विमान म्यांमार की वायु सीमा की सुरक्षा सुनिश्चित करने की क्षमता बढ़ाएगा। इन विमानों को सात नवंबर को राजधानी नेपीडॉ में आयोजित एक समारोह में शामिल किया गया।

**कूटनीतिक दबावों के बावजूद हथियार खरीद रही सेना :** म्यांमार के शीर्ष सैन्य शासक जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने कहा, मौजूदा अंतरराष्ट्रीय संघर्ष और आंतरिक हालात स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि सभी प्रकार के विमानों की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है। सिंगापुर स्थित अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक अध्ययन संस्थान (आईआईएसएस) के विश्लेषक मॉर्गन माइकल्स ने कहा, रूस से मिल रहे नए हेलिकॉप्टर्स और विमानों की आपूर्ति दिखाती है कि आर्थिक और कूटनीतिक दबावों के बावजूद म्यांमार की सेना अब भी जरूरी उपकरण हासिल कर रही है और रूस इसके लिए जीवनरेखा बना हुआ है। रक्षा खुफिया कंपनी 'जेंस' के मुताबिक, म्यांमार रूस के निर्यात का पहला ज्ञात ग्राहक है जिसने एमआई-38टी हेलिकॉप्टर खरीदे हैं।

## अमेरिकी इतिहास का सबसे लंबा शटडाउन 43 दिन बाद खत्म

**वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को एक सरकारी फंडिंग बिल पर साइन किए, जिससे 43 दिन से जारी शटडाउन खत्म हुआ। इस बिल को हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स (निचले सदन) ने 222-209 के अंतर से पास किया था। हालांकि, इसमें हेल्थ केयर प्रोग्राम एसीए सब्सिडी (ओबामा केयर सब्सिडी) के प्रीमियम टैक्स क्रेडिट्स को बढ़ाने का कोई वादा नहीं किया गया, जो 31 दिसंबर 2025 को समाप्त हो रहा हैं। यह विधेयक सीनेट (उपरी सदन) में पहले ही पास हो चुका है।

ट्रम्प ने बिल पर साइन करने से ठीक पहले कहा, 'देश इससे बेहतर स्थिति में कभी नहीं रहा। यह एक महान दिन है।' यह बिल सरकार को 31 जनवरी तक फंडिंग उपलब्ध कराएगा। विधेयक के तहत एजेंसियों को 31 जनवरी तक कर्मचारियों की छंटनी करने से रोका जाएगा। वहीं, डेमोक्रेटिक के कुछ

लीडर्स ने एसीए सब्सिडी के टैक्स क्रेडिट्स को बढ़ाने की लड़ाई जारी रखने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा- यह लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है, हम लड़ते रहेंगे।

**रिपब्लिकन सांसद बोले- शटडाउन टीवी शो जैसा :** यह वोटिंग डेमोक्रेट्स के न्यू जर्सी और एरीजोना में हुए हाई-प्रोफाइल चुनावों में जीत हासिल करने के आठ दिन बाद हुआ है। पार्टी के कई लोगों का मानना था कि इससे स्वास्थ्य बीमा सब्सिडी के विस्तार की संभावनाएं मजबूत होंगी, जो साल के अंत में समाप्त होने वाली है। हालांकि इस समझौते के तहत दिसंबर में सीनेट में इन सब्सिडी पर मतदान होने का वादा किया, लेकिन हाउस में ऐसा कोई वादा नहीं किया गया है। रिपब्लिकन सांसद डेविड श्वाइकर्ट ने इसे एक ऐसा टीवी शो बताया जिसमें असल मुद्दा समझ ही नहीं आया। जबकि डेमोक्रेट सांसद मिकी शेरिल ने कहा कि सदन ट्रम्प का रबर स्टैंप न बने जो बच्चों से खाना और इलाज छीन रहा है, और देश से हार न मानने की अपील की।

**डेमोक्रेट्स ने लड़ाई जारी रखने का ऐलान किया :** बुधवार रात हाउस ने फंडिंग बिल पास करने के बाद डेमोक्रेटिक लीडर हकीम जेफ्रीज, व्हिप कैथरीन क्लार्क और कॉकस चेयर पीट एगुइलर ने एक संयुक्त बयान जारी कर कहा कि वे गरीब और मध्यम वर्ग के अमेरिकियों के लिए स्वास्थ्य बीमा सस्ता बनाने वाले इन क्रेडिट्स को तीन साल के लिए बढ़ाने के लिए संघर्ष करेंगे। हकीम जेफ्रीज ने कहा, 'यह लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। हम अभी शुरुआत कर रहे हैं। हम आज लड़ेंगे, कल लड़ेंगे, इस हफ्ते लड़ेंगे, अगले हफ्ते लड़ेंगे, इस महीने लड़ेंगे, अगले महीने लड़ेंगे, हम तब तक लड़ेंगे जब तक हम अमेरिकी लोगों के लिए यह लड़ाई जीत नहीं लेते।

**ट्रम्प बोले- सरकार खुलते ही मिलकर हल करूंगा :** ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर एसीए सब्सिडी (ओबामा केयर सब्सिडी) को 'हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों के लिए मुनाफा और अमेरिकी लोगों के लिए आपदा' बताया था। ट्रम्प का कहना है कि सब्सिडी के बजाय लोगों को सीधे पैसे देकर उन्हें अपनी पसंद का इंश्योरेंस खरीदने की सुविधा दी जानी चाहिए।

# फेंटानिल से जुड़े 13 रसायन चीन में प्रतिबंधित, काश पटेल बोले- राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व की कामयाबी

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका और चीन के बीच हुई अहम बातचीत के बाद एक ऐतिहासिक फैसला सामने आया है। अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई के डायरेक्टर काश पटेल ने बताया कि चीन ने फेंटानिल नाम के घातक ड्रग बनाने में इस्तेमाल होने वाले 13 रासायनिक तत्वों को अब आधिकारिक रूप से प्रतिबंधित सूची में डाल दिया है। साथ ही, चीन ने ऐसे 7 रासायनिक कारखानों पर भी नियंत्रण लगाने का फैसला किया है, जो अब तक इस ड्रग के निर्माण में भूमिका निभा रहे थे।

**हजारों अमेरिकियों की बचेगी जान- पटेल :** काश पटेल ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा, 'अब चीन ने पूरी तरह से कदम उठाया है। फेंटानिल बनाने वाले सभी 13 केमिकल्स को सूचीबद्ध कर दिया गया है और 7 कंपनियों को भी नियंत्रण में लिया गया है। इस फैसले के बाद फेंटानिल का जो 'पाइपलाइन' चीन से मेक्सिको और दुनिया के दूसरे देशों तक पहुंचता था, वह अब बंद हो गया है।' काश पटेल ने कहा कि यह कदम हजारों अमेरिकियों की जान बचाएगा, क्योंकि फेंटानिल अमेरिका में ओवरडोज से होने वाली मौतों का सबसे बड़ा कारण बन चुका था।

**राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व की कामयाबी- काश पटेल :** उन्होंने इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को दिया। 'यह सब राष्ट्रपति ट्रंप की मजबूत नेतृत्व क्षमता के बिना संभव नहीं था। उन्होंने अमेरिकी जनता की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। यह किसी भी राष्ट्रपति की तरफ से उठाया गया पहला और ऐतिहासिक कदम है जिससे फेंटानिल के संकट को रोका जा सकेगा।' उन्होंने ट्रंप प्रशासन, अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे), एफबीआई टीम और चीन में अमेरिकी राजदूत परड्यू की भी सराहना की, जिन्होंने जमीन पर बातचीत कर यह समझौता संभव किया।

**राष्ट्रपति ट्रंप ने भी फैसले पर दी प्रतिक्रिया :** यह घोषणा ठीक उस समय आई है जब हाल ही में राष्ट्रपति ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच मुलाकात हुई थी। उस बैठक के बाद ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर लिखा था, 'चीन ने साफ कहा है कि वह अमेरिका में फेंटानिल के प्रवाह को रोकने के लिए हमारे साथ मिलकर काम करेगा। वे फेंटानिल संकट को खत्म करने में मदद करेंगे।' फेंटानिल एक सिंथेटिक (कृत्रिम) ड्रग है जो बेहद शक्तिशाली होता है। यह मॉर्फिन से करीब 50 गुना ज्यादा असरदार होता है। इसकी थोड़ी सी मात्रा भी जानलेवा हो सकती है। अमेरिका में हर साल लाखों लोग फेंटानिल ओवरडोज से अपनी जान गंवाते हैं। वहीं इस मामले में विशेषज्ञों का कहना है कि अगर चीन अपने वादे पर कायम रहता है।

## दिल्ली कार ब्लास्ट जांच पर अमेरिकी विदेश मंत्री बोले- उन्हें हमारी मदद की जरूरत नहीं, वे पेशेवर तरीके से संभाल रहे

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका ने 10 नवंबर को दिल्ली में हुए कार विस्फोट की जांच में भारत की मदद करने की पेशकश की है। हालांकि, विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि भारतीय अधिकारी इस जांच को बहुत ही पेशेवर तरीके से संभाल रहे हैं। कनाडा में जी-7 विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए रूबियो ने कहा, 'हमने मदद की पेशकश की है, लेकिन मुझे लगता है कि वे इन जांचों में बहुत सक्षम हैं। उन्हें हमारी मदद की जरूरत नहीं है और वे अच्छा काम कर रहे हैं।'

इससे पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जी-7 बैठक के इतर रूबियो से मुलाकात की थी। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें दिल्ली विस्फोट भी शामिल था। जयशंकर ने कहा था, 'दिल्ली विस्फोट में जान गंवाने वालों पर संवेदना के लिए उनका आभार। द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की, खासकर व्यापार और सप्लाई चेन पर। यूक्रेन संघर्ष, मध्य पूर्व/पश्चिम एशिया और इंडो-पेसिफिक पर विचार साझा किए।' उन्होंने बताया था कि राजधानी हाई अलर्ट पर है और आतंकी कनेक्शन की जांच चल रही है। इस हफ्ते की शुरुआत में अमेरिका ने कहा था कि वह दिल्ली की स्थिति पर नजर रख रहा है और जरूरत पड़े तो मदद देगा।

**क्या बोले मार्को रूबियो :** रूबियो का यह बयान जी7 के विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर एक मीडिया वार्ता के दौरान आया। यहां जब उनसे भारत में आतंकी हमले की घटना को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि जांच को

लेकर भारत की तारीफ करनी होगी। वे काफी सधे और सतर्क रहे हैं। साथ ही उन्होंने पेशेवर तौर पर जांच की है। यह जांच अभी जारी है। यह साफ तौर पर एक आतंकी हमला था। यहां एक कार थी, जो खतरनाक विस्फोटकों से लदी थी और जिसमें ब्लास्ट ने कई लोगों की जान ले ली।

उन्होंने आगे जोड़ा, 'मुझे लगता है कि वे जांच में काफी अच्छा काम कर रहे हैं और जब उनके पास तथ्य होंगे, तब वे तथ्यों को सामने भी रखेंगे।' अमेरिकी विदेश मंत्री ने बताया कि उन्होंने इसे लेकर भारत के अपने समकक्ष एस. जयशंकर से भी बात की। उन्होंने कहा कि हमने मदद की पेशकश की, लेकिन भारत अपने आप में जांच को संभालने में काफी सक्षम है और उसे मदद की जरूरत नहीं है।

उन्होंने कहा, 'हमें इस घटना की गंभीरता का अंदाजा है और हमने इसके बढ़ने को लेकर बात भी की। हम इंतजार करेंगे कि जांच में क्या सामने आता है। हमने मदद की पेशकश की, लेकिन उन्हें इसकी जरूरत नहीं है। वे पहले ही बेहतर काम कर रहे हैं।' गौरतलब है कि जयशंकर और रूबियो के बीच कनाडा के ओंटारियो में जी7 बैठक के इतर मुलाकात हुई। चर्चा के दौरान रूबियो ने दिल्ली धमाके में मौतों को लेकर संवेदना जाहिर की। साथ ही दोनों देशों के रिश्तों पर भी चर्चा की।

# डेमोक्रेट्स ने जारी किए एपस्टीन के ईमेल: ट्रंप पर लड़कियों की जानकारी रखने का आरोप

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी डेमोक्रेटिक सांसदों की ओर से जारी किए गए जेफ्री एपस्टीन के ईमेल्स में दावा किया गया है कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एपस्टीन के यौन तस्करी से जुड़ी नाबालिग लड़कियों के बारे में जानकारी थी और वे एक पीड़िता के साथ उसके घर पर घंटों रहे थे। अमेरिकी हाउस ओवरसाइट कमेटी के डेमोक्रेटिक सदस्यों ने बुधवार को ये ईमेल सार्वजनिक किए, जिनसे ट्रंप और एपस्टीन की पुरानी दोस्ती और संभावित जानकारी पर नए सवाल उठे हैं। 2011 के एक ईमेल में एपस्टीन ने अपनी सहयोगी गिस्लेन मैक्सवेल को लिखा, तुम समझो कि जो अब तक चुप है, वह ट्रंप है। उसने आगे कहा कि ट्रंप मेरे घर पर घंटों एक लड़की के साथ रहे, जिसे कमेटी ने एक पीड़िता बताया है। एक अन्य ईमेल में एपस्टीन ने पत्रकार माइकल वोल्फ को लिखा कि बेशक ट्रंप को लड़कियों के बारे में पता था, उसने गिस्लेन से रोकने को कहा था। फिलहाल व्हाइट हाउस ने इस पर कोई तत्काल प्रतिक्रिया नहीं दी है।

**कौन था जेफरी एपस्टीन :** न्यूयॉर्क शहर में जन्मे और पले-बढ़े एपस्टीन ने अपने पेशेवर करियर की शुरुआत डाल्टन स्कूल में एक शिक्षक के रूप में की। 1976 में स्कूल से निकाले जाने के बाद उन्होंने बैंकिंग और वित्त क्षेत्र में प्रवेश किया, जहां उसने कई पदों पर काम किया। 2005 में फ्लोरिडा पुलिस ने जेफरी एपस्टीन के खिलाफ जांच शुरू की। दरअसल, एक माता-पिता ने शिकायत दर्ज कराई थी कि एपस्टीन ने उनकी 14 वर्षीय बेटी का यौन शोषण किया। जांच से पता चला कि एपस्टीन ने 36 लड़कियों का यौन शोषण और उत्पीड़न किया था, जिनमें से कुछ 14 साल की थीं। उसने दो मामलों में दोषी होने की दलील दी और 2008 में उसे दोषी ठहराया गया। हालांकि, एपस्टीन ने केवल 13 महीने जेल में बिताए, जिसके बाद उसे कथित तौर पर एक विवादास्पद सौदे के कारण रिहा कर

दिया गया, क्योंकि उस पर केवल दो अपराधों के लिए आरोप लगाया गया था। इस बार न्यूयॉर्क और फ्लोरिडा में नाबालिगों की यौन तस्करी के आरोप में। मुकदमे के दौरान सीरियल यौन अपराधी ने अगस्त में अमेरिकी जेल में आत्महत्या कर ली।

**एपस्टीन फाइल्स क्या हैं :** जेफरी एपस्टीन की जांच के दौरान मिली सामग्री (जिसमें दस्तावेज, संपर्क सूची, कॉल रिकॉर्ड और चैट, वीडियो, उनके सहयोगियों और ग्राहकों के नाम, अन्य जांच डेटा शामिल हैं) को एपस्टीन फाइल्स कहा जाता है। अमेरिकी सरकार ने एपस्टीन जांच और एपस्टीन से संबंधित सामग्रियों की आंतरिक समीक्षा को स्वीकार किया है। हालांकि, अभी तक केवल चुनिंदा रिकॉर्ड ही जारी किए गए हैं। ये दस्तावेज एपस्टीन की सहयोगी गिस्लेन मैक्सवेल के खिलाफ वर्जीनिया गिफ्रे के 2015 के मानहानि के मुकदमे से जुड़े हैं, जिसमें फ्लाइट लॉग, गवाहों की गवाही, संपर्क सूचियां और एपस्टीन की गतिविधियों से जुड़े अन्य सबूत शामिल हैं। इसमें कई हाई-प्रोफाइल व्यक्तियों के नाम हैं, जो सामाजिक, पेशेवर या एपस्टीन से जुड़े थे। हालांकि, इन दस्तावेजों में नाम होना स्वाभाविक रूप से गलत शख्स होने का संकेत नहीं है, क्योंकि कई लोग सामाजिक अवसरों पर एपस्टीन से अचानक ही मिलते थे। दस्तावेजों को चरणों में जारी किया गया, जिनमें से महत्वपूर्ण बैचों को जनवरी 2024 और फरवरी 2025 में अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी के तहत अमेरिकी न्याय विभाग की ओर से खोला गया।

**एपस्टीन फाइल्स में किस-किस के नाम :** फरवरी 2025 में अमेरिकी न्याय विभाग के एक दस्तावेज से पता चला था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, पॉप आइकन माइकल जैक्सन, अभिनेता एलेक बाल्डविन और फिल्म निर्माता हार्वे वीनस्टीन उन हस्तियों में शामिल थे, जो जेफरी एपस्टीन की संपर्क सूची में थे। हालांकि, इन लोगों की संलिप्तता के बारे में जांच से जो पता चला है, वह अभी भी जनता के लिए खुला नहीं है। न्याय विभाग के दस्तावेज में कई अन्य हाई-प्रोफाइल नाम शामिल थे, जैसे कि न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो, रोलिंग स्टोन्स के फ्रंटमैन मिक जैगर और संगीतकार कोर्टनी लव। अन्य लोगों में सुपरमॉडल नाओमी कैंपबेल, रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर की मां एथेल कैनेडी, पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी, दिवंगत सीनेटर टेड कैनेडी, वकील एलन डर्सोविट्ज और अभिनेता डस्टिन हॉफमैन और राल्फ फिएनेस शामिल थे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक: सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# एनडीए नहीं बिहार में एसआईआर बढ़त बनाए है, कहां से आ गए इतने वोट ?

## कांग्रेस नेता ने महागठबंधन की हार का ठीकरा चुनाव आयोग के सिर फोड़ा

पटना

बिहार में 243 विधानसभा सीटों के लिए दो चरणों में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजों ने एनडीए को फिर से सत्ता की चाबी सौंपी है। चुनाव आयोग की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक अभी तक की मतगणना में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बन कर उभर रही है और आगे चल रही है। वहीं, आरजेडी महज 33 और कांग्रेस 5 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। इन आंकड़ों को देखें तो एनडीए गठबंधन बिहार में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने की ओर अग्रसर है।

दूसरी तरफ कांग्रेस नेता उदित राज ने फिर महागठबंधन की हार का ठीकरा चुनाव आयोग के सिर पर फोड़ा है। हालांकि, इस बार उनके निशाने पर ईवीएम के बजाय एसआईआर है। उदित से जब पूछा गया कि बिहार में एनडीए को बढ़त मिल रही है, तो उन्होंने कहा कि एनडीए नहीं बिहार में एसआईआर बढ़त बनाए हुए है। मैं यह नहीं कहूंगा कि ये जीत बीजेपी और जेडीयू की है। यह चुनाव आयोग की जीत है, एसआईआर की जीत है।

उन्होंने कहा कि जब वोटर लिस्ट का शुद्धिकरण हुआ, लिस्ट फाइनल हुई, उसके बाद भी लाखों-हजारों विसंगतियां बताई गईं, लेकिन चुनाव आयोग ने एक का भी जवाब नहीं दिया। जब आपत्तियां उठाई जा रही थीं, तो 89 लाख आपत्तियां सामने रखी गईं। उसके बाद भी चुनाव आयोग ने कहा कि कोई हमें शिकायत दे ही नहीं रहा है। जब इस हद तक बेईमानी पर उतर जाएं, तो क्या ही कहना। उदित राज ने कहा कि यह लोकतंत्र की हत्या है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की रैलियां बड़ी थीं, जबकि बीजेपी के नेताओं की रैलियों में कुर्सियां खाली थीं। ये वोट कहां से आ गए? जब आप विपक्ष के वोटों को काट देंगे तो क्या होगा? बहुत सारे लोग वोट डालने गए, डिजिटल पर्ची होने के बावजूद उन्हें वापस भेज दिया गया। बिहार में सीधे तौर पर बदलाव की बयार थी। कई जगहों पर तो बीजेपी के विधानसभा उम्मीदवारों को जनता ने भगाया। तो ये कैसे जीत रहे हैं? मुझे लगता है कि यह एसआईआर की जीत है।

बता दें बिहार में बीजेपी और जेडीयू के अलावा एनडीए में शामिल लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को 22 सीटों पर और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) को 4 सीटों पर बढ़त मिली हुई है। माना जा रहा है कि अगले एक घंटे में बिहार विधानसभा चुनाव की तस्वीर पूरी तरह साफ हो जाएगी।

# विस्फोट के बाद दिल्ली में सुरक्षा कड़ी, जगह-जगह हो रही गाड़ियों की चेकिंग

## आईजीआई एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली

लाल किले के पास हुए कार ब्लास्ट और आईजीआई एयरपोर्ट पर बम की धमकी भरे मेल के बाद सीआईएसएफ के साथ मिलकर एयरपोर्ट पुलिस की टीम संयुक्त कार्रवाई कर रही है। एरोसिटी और यहां आने वाले रास्तों पर भी जगह-जगह बैरिकेडिंग करके जांच की जा रही है। कई जगह गाड़ियों को चेक भी किया जा रहा है। डॉग स्क्वॉड को विशेष रूप से जांच में इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे किसी भी संदिग्ध गाड़ी का पता लगाया जा सके। एयरपोर्ट पहुंचने वाले यात्रियों को एडवाइजरी जारी करके कहा गया है कि तीन घंटा पहले एयरपोर्ट पहुंचे। इसके अलावा मेट्रो यात्रियों को 20 मिनट पहले और रेल यात्रियों को एक घंटा पहले स्टेशन पहुंचने के लिए कहा है, जिससे सुरक्षा जांच में लगने वाले समय से यात्रियों को असुविधा न हो और वे सुरक्षा जांच से गुजरकर अपने अपने गंतव्य तक पहुंच सकें।

आईजीआई एयरपोर्ट के डीसीपी विचित्र वीर ने बताया कि सुरक्षा के मद्देनजर चेकिंग और पट्रोलिंग बढ़ाई गई है। दिल्ली पुलिस की सभी इकाइयां और सीआईएसएफ टीम सुरक्षा को लेकर काम कर रही है। गाड़ियों की सिक्योरिटी जांच सख्ती से की जा रही है। इनवर्टेड मिरर कैमरा का इस्तेमाल भी गाड़ियों की चेकिंग के लिए किया जा रहा है।

बता दें आईजीआई एयरपोर्ट से रोज 1500 से ज्यादा विमान उड़ान भरते हैं। लाखों लोग यहां से दूसरे शहरों के लिए सफर करते हैं। वर्ल्ड के टॉप 10 एयरपोर्ट में शामिल आईजीआई एयरपोर्ट की सुरक्षा को लेकर एजेंसियां कोई कोताही बरतना नहीं चाहती हैं।

# हमें मिल रहा जनादेश, बिहार में फिर बनेगी एनडीए सरकारः जायसवाल

## एनडीए की जीत की खबर से बीजेपी-जेडीयू नेताओं का दफ्तर पहुंचना शुरू

पटना

बिहार चुनाव के शुरुआती रुझानों से 243 सीटों वाली विधानसभा की तस्वीर लगभग साफ हो गई है। शुरुआती रुझानों में बीजेपी और जेडीयू के गठबंधन ने बढ़त बना रखी है। वहीं, आरजेडी और कांग्रेस के नेतृत्व वाला महागठबंधन पिछड़ता नजर आ रहा है। चुनावी रुझान एग्जिट पोल के उन आंकड़ों पर मुहर लगा रहे हैं, जिनमें एनडीए की जीत का अनुमान लगाया गया था। एनडीए को जीत की खबर से बीजेपी और जेडीयू नेताओं का दफ्तर पहुंचना शुरू हो गया है। अभी तक के रुझानों के मुताबिक, जेडीयू 76, बीजेपी 68 और आरजेडी 50 सीटों पर आगे चल रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी दफ्तर पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि चुनावी रूझानों से साफ हो रहा है कि इस बार भी एनडीए को जनादेश मिल रहा है। बिहार में फिर से एनडीए सरकार बनाने जा रही है। चुनाव में जीत हासिल करने के लिए एनडीए के नेताओं ने बहुत मेहनत की है, चाहे वह नीतीश कुमार हों, चिराग पासवान हों, जीतन राम मांझी हों, उपेंद्र कुशवाहा हों। हमने 2025, फिर से नीतीश के नारे के साथ नीतीश कुमार के चेहरे पर चुनाव लड़ा था। वहीं, जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद संजय कुमार झा ने कहा कि नतीजे बिल्कुल वैसे ही हैं, जैसी हमने उम्मीद की थी। हमें भरोसा है कि एनडीए भारी अंतर से जीतेगा।

# भारत में काम करते हैं और हमने अमेरिका में किसी लॉबिंग फर्म की सेवा नहीं ली

## राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने कांग्रेस के आरोप को सिरे से किया खारिज

नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने कांग्रेस के आरोप को सिरे से खारिज कर दिया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि आरएसएस ने अमेरिका में अपने हितों को बढ़ावा देने के लिए पाकिस्तान की आधिकारिक लॉबिंग इकाइयों में से एक की सेवा ली है। पार्टी ने कहा कि यह पहली बार नहीं है कि संघ ने राष्ट्रीय हित के साथ विश्वासघात किया है। कांग्रेस के दावे को खारिज करते हुए आरएसएस के राष्ट्रीय मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि आरएसएस भारत में काम करता है और उसने अमेरिका में किसी लॉबिंग फर्म की सेवा नहीं ली है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि कुछ दिन पहले आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने स्वीकार किया था कि आरएसएस एक पंजीकृत संगठन नहीं है और यह करों का भुगतान नहीं करता है। जयराम ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट में लिखा था कि अब हमें पता चला है कि आरएसएस ने अमेरिका में अपने हितों को बढ़ावा देने के लिए पाकिस्तान की आधिकारिक लॉबिंग इकाइयों में से एक अमेरिकी विधि कंपनी 'स्क्वॉयर पैटन बोग्स' की सेवा लेने के लिए काफी धनराशि खर्च की है।

# चुनाव आयोग की वेबसाइट में आई गड़बड़ी, पुष्पम प्रिया की दिखाई बढ़त

## राष्ट्रीय जनता दल के दीपू सिंह के खाते में 2960 वोट, सभी हैरान

पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के रुझान आयोग की वेबसाइट पर अपडेट हो रहे हैं। इस बीच साइट पर दिक्कत आ गई, जिसे देखकर लोग हैरान हो गए कि आखिर ऐसा कैसे हुआ। साइट पर पुष्पम प्रिया की प्लुरल्स पार्टी के खाते में भी एक सीट पर बढ़त दिखाई गई। इसके बाद जब उस सीट पर क्लिक किया तो पेज खुलने पर दिखा कि पार्टी के उम्मीदवार सत्यप्रकाश को तो उस वक्त तक सिर्फ 14 वोट ही मिले थे।

वहीं साइट पर राष्ट्रीय जनता दल के दीपू सिंह के खाते में 2960 वोट दिखाए गए, लेकिन उनकी बढ़त जीरो थी। इसके अलावा सबसे आगे चलने वाले दीपू सिंह समेत ज्यादातर कैंडिडेट्स के नाम के आगे लॉस्ट लिखा दिख रहा था।

वहीं महज 12 वोट ही पाने वाले अभिषेक कुमार को पीछे दिखाया गया। इस तरह पहले नंबर वाले को हारा हुआ दिखा दिया और तमाम सीटों पर भी कैंडिडेट्स के आगे हार लिख गया, लेकिन 14 वोटों वाले सत्यप्रकाश सबसे आगे दिखाए गए।

चुनाव आयोग में शायद यह किसी तकनीकी गलती या डेटा फीड में समस्या के चलते ऐसा हुआ होगा। यही वजह थी कि कुछ ही देर में यह दिक्कत दूर हो गई। हालांकि ऐसा कुछ और सीटों पर भी दिखा। एकमा सीट पर भी ऐसा ही नजारा दिखा। यहां निर्दलीय जितेंद्र कुमार कन्नौज को बढ़त दिखाई गई, जिनके खाते में सिर्फ 54 वोट दिख रहे थे। इसके अलावा जेडीयू के सबसे आगे चलने वाले उम्मीदवार मनोरंजन सिंह 3175 वोट पाने के बाद भी हारे हुए दिखा दिए गए। इस सीट पर ज्यादातर लोगों को हारा दिखाया गया, जबकि महज 45 और 38 वोट ही पाने वाले उम्मीदवार जवाहर प्रसाद और अभिजीत अभिज्ञान को मुकाबले में दिखाया।

# मोकामा सीट पर दो बाहुबलियों की प्रतिष्ठा दांव पर

## अनंत सिंह के समर्थकों ने लगाए पोस्टर लिखा- जेल का फाटक टूटेगा मेरा शेर छूटेगा

पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे आने शुरु हो गए हैं। सुबह 8 बजे से वोटों की गिनती शुरू है। मोकामा विधानसभा सीट पर दो बाहुबलियों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। यहां जदयू प्रत्याशी अनंत सिंह और राजद प्रत्याशी वीणा देवी जो सूरजभान सिंह की पत्नी के समर्थक अपनी-अपनी जीत को लेकर आश्वस्त हैं और जश्न की तैयारियों में जुटे हैं।

जदयू प्रत्याशी अनंत सिंह पूर्व विधायक हैं जो अभी जेल में हैं। इसके बावजूद उनके समर्थकों के उत्साह में कोई कमी नहीं है। वे पिछले एक हफ्ते से जीत का जश्न मनाने की तैयारी कर रहे हैं। दूसरी ओर राजद प्रत्याशी वीणा देवी भी अपनी जीत को लेकर आश्वस्त हैं। उनके घर पर भी समर्थकों के लिए भोज की तैयारी चल रही है। अनंत सिंह के पटना माल रोड वाले घर पर समर्थकों की भारी भीड़ लगी है। एक बड़ी स्क्रीन भी लगाई है, जिस पर सभी काउंटिंग की खबर देखी जा रही हैं। बाहर एक पोस्टर भी लगा है जिसपर लिखा है जेल का फाटक टूटेगा मेरा शेर छूटेगा। दूसरी तरफ वीणा देवी के डाक बंगला चौराहा स्थित कौशल्या स्टेट में पंडाल लगाया गया है। वहां अभी सन्नाटा पसरा है। वीणा देवी भी अभी कहीं बाहर हैं।

दोनों प्रत्याशियों के समर्थक पटना में जश्न की तैयारियों में जुटे हैं। अनंत सिंह ने मोकामा विधानसभा क्षेत्र के लोगों को अपने यहां आमंत्रित किया है। हालांकि उनके पैतृक आवास नदमा और कारगिल मार्केट में सन्नाटा पसरा है, क्योंकि सभी समर्थक पटना में एकत्रित हो रहे हैं। पटना की मोकामा सीट दुलारचंद यादव की हत्या के बाद चर्चाओं में रही। यहां जेडीयू के टिकट से अनंत सिंह मैदान में हैं। उनके सामने आरजेडी के टिकट पर वीणा देवी चुनाव लड़ रही हैं। दुलारचंद की हत्या के मामले में अनंत सिंह जेल में बंद हैं।

संक्षिप्त समाचार

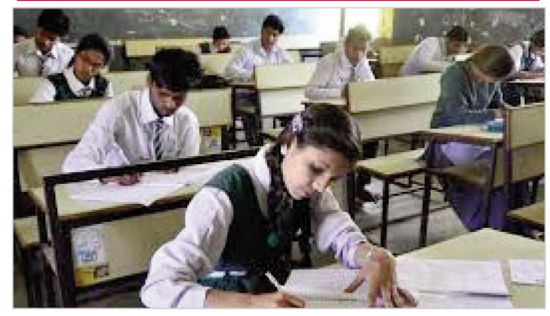

## 10वीं और 12वीं की सीबीएसई परीक्षा 2026 का संभावित टाइम टेबल जारी

**नई दिल्ली** केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने आधिकारिक वेबसाइट सीबीएसई.एनआईसी.इन पर 10वीं और 12वीं की सीबीएसई परीक्षा 2026 का संभावित टाइम टेबल जारी कर दिया है। सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा 2026 का पहला चरण 17 फरवरी से 9 मार्च 2026 के बीच आयोजित होगा, जबकि सीबीएसई 10वीं परीक्षा 2026 का दूसरा चरण 15 मई से 1 जून 2026 के बीच आयोजित होगा। सीबीएसई 12वीं परीक्षा 2026 17 फरवरी 2026 से 9 अप्रैल 2026 के बीच आयोजित की जाएगी। परीक्षाएँ पेन और पेपर फॉर्मेट में आयोजित की जाएँगी। बोर्ड स्कूलों द्वारा उम्मीदवारों की अंतिम सूची (एलओसी) जमा करने के बाद अंतिम सीबीएसई डेट शीट 2026 कक्षा 10वीं और 12वीं जारी करेगा। सभी छात्रों को सीबीएसई कक्षा 10 टाइम टेबल 2026 चरण 1 परीक्षा देनी होगी। चरण 2 परीक्षा देना वैकल्पिक है। छात्र दोनों परीक्षाओं में अपने सर्वोत्तम अंक बनाए रखने का विकल्प चुन सकते हैं।

## 07 राज्यों की 08 सीटों में हुए उपचुनाव में जम्मू-कश्मीर की नागरोटा में बीजेपी तो मिजोरम की डम्पा सीट पर एमएनएफ ने जीत दर्ज की

**नई दिल्ली** सात राज्यों की आठ विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव की मतगणना जारी है। इनमें से दो सीटों के रिजल्ट सामने आ गए हैं! इनमें जम्मू-कश्मीर की नागरोटा सीट से भाजपा उम्मीदवार देवयानी राणा ने चुनाव जीत लिया है, जबकि मिजोरम की डम्पा सीट पर एमएनएफ प्रत्याशी डॉ आर ललथंगलियाना ने जीत दर्ज की है! उप चुनाव में राजस्थान के अंता में कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद भाया ने सत्ताधारी भाजपा के मोरपाल सुमन पर लगातार बढ़त बनाए रखी है। 07 राज्यों की 08 विधानसभा सीटों पर हुए उप चुनाव में रिजल्ट की बात करें तो मिजोरम के डम्पा से मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) प्रत्याशी डॉ. आर ललथंगलियाना ने चुनाव जीत लिया है! इसी प्रकार जम्मू-कश्मीर के नागरोटा विधानसभा सीट में भाजपा उम्मीदवार देवयानी राणा चुनाव जीत गई हैं। ताजा रुझान के अनसुार झारखंड के घाटशिला विधानसभा सीट से पूर्व सीएम चंपई सोरेन के पुत्र भाजपा उम्मीदवार बाबूलाल सोरेन पिछड़ गए हैं। यहां पंजाब के तरनतारन विधानसभा सीट पर आप, जम्मू-कश्मीर के बडगाम में महबूबा मुफ्ती की पार्टी पीडीपी, तेलंगाना की जुबली हिल्स विधानसभा सीट पर कांग्रेस और ओडिशा की नुआपाड़ा विधानसभा सीट में भाजपा प्रत्याशी आगे चल रहे हैं।

## सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर में वायु प्रदूषण की स्थिति पर जताई चिंता

### मौजूदा स्थिति बेहद गंभीर, वरिष्ठ वकीलों को कोर्ट में वर्चुअली पेश होना चाहिए

**नई दिल्ली** दिल्ली एनसीआर में सांस लेना मुश्किल होता जा रहा है, जहां हवा लगातार जहरीली बनी हुई है। अब सुप्रीम कोर्ट ने भी दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण की स्थिति पर चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा है कि मौजूदा स्थिति बेहद गंभीर है जिससे सेहत को स्थायी नुकसान हो सकता है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वरिष्ठ वकीलों को कोर्ट आने के बजाए वर्चुअली पेश होना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गुरुवार को जस्टिस पी एस नरसिम्हा और जस्टिस अतुल एस चंदूरकर की पीठ के समक्ष दूसरे मामलों की सुनवाई चल रही थी। इसी दौरान जस्टिस नरसिम्हा ने कहा कि प्रदूषण की स्थिति बहुत खराब और गंभीर है। इससे सेहत को स्थाई नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि सौभाग्य से सुप्रीम कोर्ट में हाइब्रीड सुनवाई हो रही है। अधिकतर वकीलों को वर्चुअल रूप से पेश होना चाहिए। इस दौरान वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि वैसे हम मास्क लगाकर सभी एहतियात बरतते हैं। इस पर जस्टिस नरसिम्हा में कहा कि खतरा मास्क से भी आगे निकल चुका है। हवा में खतरनाक प्रदूषण का स्तर 300 से काफी आगे जा चुका है। लिहाजा एहतियात भी उसी स्तर के अपनाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मामले पर मुख्य न्यायाधीश से भी बात की जाएगी। शुक्रवार को दिल्ली के लोगों को खतरनाक हवा से राहत मिलती नहीं दिख रही है। दिल्ली की वायु गुणवत्ता में कोई सुधार नहीं दिखा और शुक्रवार सुबह 8 बजे एक्युआई 397 दर्ज किया गया, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है। सुबह 7 बजे एक्युआई 399 था। गुरुवार को शाम 4 बजे दिल्ली का एक्युआई 404 दर्ज किया गया था, जो 'गंभीर' श्रेणी में आता है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक राजधानी के कई मॉनिटरिंग स्टेशनों ने शुक्रवार को एक्युआई 400 से भी ऊपर दर्ज किया।

# 6 करोड़ मृतकों के आधार अभी भी सक्रिय, योजनाओं के लाभ में गड़बड़ी की आशंका

## अब तक 1.55 करोड़ मृतकों का डेटा मिला, यूआईडीएआई कर रहा सर्वे

नई दिल्ली

देश में हर नागरिक को आधार नंबर जारी करने की शुरुआत को 15 साल हो चुके हैं। इस दौरान 142 करोड़ से ज्यादा आधार कार्ड जारी हुए, लेकिन 8 करोड़ से ज्यादा धारकों की मौत के बावजूद 1.83 करोड़ कार्ड ही निष्क्रिय हुए हैं। करीब 6 करोड़ मृतकों के आधार अभी भी सक्रिय हैं। इससे बैंक फ्रॉड, फर्जी खातों और सरकारी योजनाओं के लाभ में गड़बड़ी जैसी आशंकाएं बढ़ गई हैं। यूनीक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) के सीईओ भुवनेश कुमार के मुताबिक भारत के महापंजीयक से अब तक यूआईडीएआई को 1.55 करोड़ मृतकों का डेटा मिला है। नवंबर 2024 से सितंबर 2025 के बीच 38 लाख और मृतकों की सूची जुड़ी। इनमें 1.17 करोड़ की पहचान हुई है और उनके आधार कार्ड निष्क्रिय कर दिए गए हैं। प्राधिकरण का अनुमान है कि दिसंबर तक 2 करोड़ कार्ड निष्क्रिय हो जाएंगे।

यूआईडीएआई ने चार महीने पहले वेबसाइट पर मृत्यु सूचना पोर्टल शुरू किया ताकि परिजन मृतक का आधार ऑनलाइन निष्क्रिय करा सकें। अब तक केवल 3,000 लोगों ने जानकारी दर्ज कराई है, जिनमें से 500 मामलों में ही पुष्टि हो सकी और उनके कार्ड निष्क्रिय किए गए हैं। सीईओ ने कहा कि आधार की शुरुआत 2010 में हुई। वहीं, 2016 के बाद से करीब 8 करोड़ आधार धारकों की मृत्यु का अनुमान है। सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम से केवल 25 राज्यों के आंकड़े मिलते हैं। बाकी राज्यों से डेटा जुटाने का काम जारी है।

उन्होंने बताया कि जब आधार जारी होना शुरू हुआ तो देश में सालाना मौतें करीब 56 लाख थीं। बढ़ते-बढ़ते आंकड़ा 85 लाख पहुंच गया। इसलिए हम 2016 से अब तक आठ करोड़ मौत मान रहे हैं। मृत्यु का पंजीकरण अब भी बेहद कैजुअल है। करीब 48 लाख नामों का मिलान नहीं हो पाया है।

# भारतीय सिख श्रद्धालुओं के जत्थे से एक महिला लापता, भारत सरकार ने जांच शुरु की

अमृतसर

पाकिस्तान दर्शन के लिए गए भारतीय सिख श्रद्धालुओं के जत्थे से एक महिला के लापता होने का मामला प्रकाश में आया है। कपूरथला निवासी सरबजीत कौर 1932 श्रद्धालुओं के साथ 4 नवंबर को अटारी बॉर्डर के द्वारा पाकिस्तान गई थीं।

लेकिन 10 दिन बाद लौटे जत्थे में उनकी गैरमौजूदगी का मामला सामने आया है। इमिग्रेशन फॉर्म में उनकी राष्ट्रीयता और पासपोर्ट नंबर खाली मिलने से संदेह और बढ़ गया है। भारतीय एजेंसियों ने मामला गंभीर मानकर जांच शुरू कर पाकिस्तान स्थित अधिकारियों से संपर्क किया है।

महिला की पहचान सरबजीत कौर, निवासी पिंड अमैनीपुर, जिला कपूरथला (पंजाब) के रूप में हुई है। सरबजीत कौर 4 नवंबर को श्री गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व के मौके पर 1932 श्रद्धालुओं के जत्थे के साथ अटारी बॉर्डर के जरिए पाकिस्तान गई थी। जत्था 10 दिनों तक विभिन्न गुरुधामों के दर्शन करने के बाद भारत लौट आया, लेकिन वापसी के समय 1922 श्रद्धालु ही लौटे। सरबजीत कौर जत्थे में शामिल नहीं मिलीं।

भारत लौटने से पहले श्री अकाल तख्त साहिब के कार्यकारी जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज, चार अन्य सदस्य और तीन महिलाएं-जिनके घरों में कोई बीमार था, पहले ही लौट आए थे। लेकिन सरबजीत कौर के बारे में कोई जानकारी नहीं मिलने पर उनके लापता होने की पुष्टि हुई।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि पाकिस्तानी इमिग्रेशन पर भरे गए फॉर्म में सरबजीत ने अपनी राष्ट्रीयता और पासपोर्ट नंबर जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां खाली छोड़ दी थीं। इससे उनकी पहचान और ट्रैकिंग में मुश्किलें बढ़ गई हैं।